

वर्ष-23 अंक- 41
पृष्ठ 8
मंगलवार
27 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नाश्ते में मैगी खा लें लेकिन... विचार- भगवान वाल्मीकि जी ज्ञान, मानवता... खेल- टीम इंडिया की डेथ ओवर गेंदबाजी...

आर्मी और नैवी की बढ़ेगी मारक क्षमता 2.12 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों के लिए 2.12 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी। इसमें हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर, लंबी दूरी तक हमला करने वाले कामिकाजे ड्रोन सिस्टम और कई अन्य आधुनिक रक्षा उपकरण शामिल हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) की बैठक में खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस फैसले का उद्देश्य सेना की मारक क्षमता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय थल सेना के लिए हाई मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड ट्रैकड गन सिस्टम, लाइट मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, बेहद कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली और ड्रोन रोधी प्रणाली



खरीदने को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा सेना के लिए अन्य मानवरहित विमान प्रणालियों, निगरानी करने वाले मानवरहित हवाई वाहनों, एकीकृत निगरानी व हमला प्रणाली और लंबी दूरी तक हमला करने वाले कामिकाजे ड्रोन सिस्टम की खरीद को भी हरी झंडी मिली है। इन उपकरणों से सेना की निगरानी, दुश्मन के ठिकानों पर हमले और हवाई खतरों से निपटने की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय नौसेना को लिए एक्टिव ऑफबोर्ड

डिफेंस सिस्टम और अन्य प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म खरीदने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। वहीं, भारतीय वायु सेना के लिए हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली और रडार खरीदे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन खरीद प्रस्तावों के तहत जरूरत की मंजूरी दी गई है। कुल मंजूर खरीद में से करीब 82 प्रतिशत उपकरण और सैन्य प्रणालियां भारतीय उद्योगों से खरीदी जाएंगी। इससे घरेलू रक्षा निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलने के साथ

ही देश की रक्षा जरूरतों के लिए स्वदेशी कंपनियों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय सेना के लिए 2.12 लाख करोड़ रुपये के सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी देना रक्षा तैयारियों के लिहाज से अहम है। इससे सेना को आधुनिक वाहन, स्वचालित तोप प्रणाली, हल्के हेलीकॉप्टर, ड्रोन रोधी उपकरण और लंबी दूरी तक हमला करने वाले ड्रोन मिल सकेंगे। इन हथियारों और उपकरणों से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, हवाई खतरों का मुकाबला करने और जरूरत पड़ने पर दूर स्थित ठिकानों को निशाना बनाने की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। मानवरहित विमान और एकीकृत निगरानी व हमला प्रणाली से सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और कार्रवाई के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सकेगा।

अमित शाह पर टिप्पणी
मामला: राहुल गांधी को सुलतानपुर सांसद-विधायक अदालत से मिली राहत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की विशेष सांसद-विधायक अदालत ने सोमवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को मानहानि के एक मामले में दोषमुक्त कर दिया है। यह मामला 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले बेंगलुरु में एक रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी से जुड़ा था। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। स्थानीय भाजपा नेता विजय मिश्रा ने मानहानि की शिकायत दाखिल की थी। उनके अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि आज सांसद/विधायक अदालत के विशेष न्यायाधीश शुभम वर्मा ने फैसले में राहुल गांधी को मानहानि मामले में दोषमुक्त किया है।

जनता दर्शन में सीएम योगी सख्त, बोले- कमजोरों को उजाड़ने और जमीन पर कब्जा करने वालों को बख्शें नहीं



लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकांशों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कमजोर और निर्बल लोगों को उजाड़ने वाले तथा अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार 'नर सेवा-नारायण सेवा' के भाव से जनसेवा कर रही है, इसलिए

हर पीड़ित की समस्या का संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनके प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए भेजा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान किया जाए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या दूर कराने

के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि अवैध कब्जा करने वालों और कमजोर लोगों को उनकी जमीन से बेदखल करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। हालांकि, यदि जमीन-जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक है, तो संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी बातचीत के जरिए समाधान निकालने का प्रयास किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस से संबंधित शिकायतों के निस्तारण में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का समाधान करना होगा।

महाराष्ट्र एसआईआर विवाद, 33% मतदाताओं के नाम कटने का दावा, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राज्य में पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान करीब 33 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप वाली याचिका पर शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। हालांकि, अदालत ने दस्तावेज जमा करने और दावे-आपत्तियां दाखिल करने की समयसीमा तत्काल बढ़ाने का आदेश नहीं दिया। मामले की अगली सुनवाई पांच नवंबर को निर्धारित की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता अरुण अनंदगिरि की याचिका पर सुनवाई की। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने दलीलें पेश कीं। याचिका में मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की आशंका जताई गई है। अदालत ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। हालांकि, 33 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटने का दावा याचिका में उठाया गया आरोप है, इसे अदालत द्वारा प्रमाणित निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने बताया कि मुंबई और पुणे में करीब 3,500 पुनर्विकास परियोजनाएं चल रही हैं। इन परियोजनाओं के कारण पुरानी आवासीय इमारतों और कॉलोनियों को तोड़ा जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को दूसरी जगह स्थानांतरित होना पड़ रहा है। याचिकाकर्ता की दलील है कि पता और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने में कठिनाई के चलते ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से हटने का खतरा है। उन्होंने चुनाव आयोग से पहले से पंजीकृत मतदाताओं के लिए अलग फॉर्म उपलब्ध कराने की मांग भी की। उनका कहना था कि पुराने मतदाताओं से नए पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाला फॉर्म-6 भरवाना उचित नहीं है। याचिकाकर्ता ने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख बढ़ाने तथा मामले के निपटारे तक मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया रोकने का अनुरोध किया। लेकिन पीठ ने तत्काल कोई राहत नहीं दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यदि अदालत को लगा कि कुछ लोग दस्तावेज जमा नहीं कर पाए हैं और समयसीमा बढ़ाने की जरूरत है, तो इस पर उचित निर्देश दिए जा सकते हैं। अब पांच नवंबर की सुनवाई पर नजर रहेगी।

खरगे की टिप्पणी के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

राहुल गांधी और खड़गे से माफी की मांग की

दिल्ली, एजेंसी। रविवार को पटना में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर, सोमवार को भाजपा

के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में दी थी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं के बारे में बात करते हुए, खड़गे ने कहा कि कांग्रेस इसमें शामिल लोगों को जेल भेजेगी। जब

दिवंगत पिता का अपमान करने का आरोप लगाया और सोमवार को देशभर में विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की। दिल्ली में, बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजाजी मार्ग पर खड़गे के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। जब उन्होंने सेना भवन सर्कल से खड़गे के आवास की ओर मार्च करने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ नारे लगाए और उनसे माफी की मांग की। पटना में, बीजेपी नेताओं और समर्थकों ने पार्टी मुख्यालय से इनकम टैक्स गोलंबर तक लगभग 300 मीटर लंबा रज्ज आक्रोश मार्च निकाला और खड़गे का पुतला फूँका। इस मार्च का नेतृत्व बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने किया।



ने देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी की मांग की है। यह विरोध प्रदर्शन खड़गे की उस टिप्पणी के बाद हुआ, जो उन्होंने रविवार को पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती

दर्शकों में से एक व्यक्ति ने बीच में टोकते हुए कहा, मोदी कहीं नहीं जाएंगे, तो खड़गे ने पलटकर जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा, बाप भी जाएगा। इस टिप्पणी की भाजपा ने कड़ी आलोचना की। भाजपा ने खड़गे पर प्रधानमंत्री के

मांग की। पटना में, बीजेपी नेताओं और समर्थकों ने पार्टी मुख्यालय से इनकम टैक्स गोलंबर तक लगभग 300 मीटर लंबा रज्ज आक्रोश मार्च निकाला और खड़गे का पुतला फूँका। इस मार्च का नेतृत्व बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने किया।



(आईआईटी), पालक्कड़ (केरलम) के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आए 55 सदस्यीय दल ने राज्यपाल से मुलाकात की। विद्यार्थियों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि पढ़ाई के साथ व्यावहारिक कौशल अर्जित करना आवश्यक है, ताकि युवा आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। प्रतिनिधिमंडल में 50 विद्यार्थी और पांच शिक्षक शामिल हैं। ये सभी 22 से 28 अक्टूबर तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के आतिथ्य में उत्तर प्रदेश के विभिन्न सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले स्थलों का भ्रमण कर रहे हैं। बयान के अनुसार केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत 'युवा संगम' कार्यक्रम का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश के युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समझ और पारस्परिक सहयोग की भावना विकसित करना है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान उनकी यात्रा के अनुभवों और इस दौरान मिली प्रेरणा के बारे में जानकारी ली। पटेल ने विद्यार्थियों से पूछा कि उन्होंने इस यात्रा के दौरान क्या सीखा और लौटने के बाद इन अनुभवों का उपयोग अपने जीवन में किस प्रकार करेंगे।

PRESS

हमेशा आपके साथ

शहर समता

संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

मेडिको–लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब सीसीटीएनएस पोर्टल पर मिलेगी, प्रक्रिया लगभग पूरी

प्रयागराज। अब पुलिस को पोस्टमार्टम और मेडिको–लीगल रिपोर्ट के लिए अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्ती के बाद दोनों पोर्टल का एकीकरण पूरा हो गया है। हालांकि, प्रयागराज में 3707 पोस्टमार्टम के मुकाबले पुलिस ने अब तक केवल दो मामलों में ही रिपोर्ट के लिए ऑनलाइन अनुरोध भेजा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्ती के बाद अब मेडिको–लीगल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पुलिस को सीसीटीएनएस पोर्टल पर ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेंगी। नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) ने मेडलीपआर पोर्टल को क्राइम एंड किमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। अब पुलिस को संबंधित अस्पताल या मोर्चरी में एफआईआर और केस क्राइम नंबर के आधार पर रिपोर्ट के लिए अनुरोध भेजना होगा। इसके बाद संबंधित रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जा सकेगी।

प्रयागराज की जैरुनिशा की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने दोनों पोर्टल को जोड़ने की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए मामला लंबित रखा था। जमानत अर्जी का निस्तारण हो चुका था, लेकिन तकनीकी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए अदालत ने निगरानी जारी रखी। सुनवाई के दौरान एनआईसी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल शशिकांत शर्मा और मेडलीपआर टीम के प्रमुख राहुल जैन ने अदालत को बताया कि पोर्टल एकीकरण का काम पूरा हो चुका है। एसआरएन अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस प्रभारी डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि प्रयागराज में 15 मई 2025 से 22 अक्तूबर 2026 तक कुल 3707 पोस्टमार्टम हुए, लेकिन पुलिस की ओर से रिपोर्ट के लिए केवल दो मामलों में ही अनुरोध भेजा गया।

तकनीकी दिक्कतें दूर करने के लिए चार नवंबर को बैठक इस पर एडीजी (टेक्निकल) भगवान एस. श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि पुलिस अधिकारियों को नई व्यवस्था के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण अनुरोध भेजने में परेशानी हो रही है। अदालत ने चार नवंबर को सुबह 11 बजे लखनऊ स्थित प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाकर समस्याओं का समाधान निकालने और व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उपाय तय करने का निर्देश दिया। इसके बाद अदालत ने मामले का निस्तारण कर दिया।

इलाज के दौरान आबकारी सिपाही की मौत, डॉक्टर पर एफआईआर

प्रयागराज। करेली में आबकारी सिपाही इमरान अहमद (35) की इलाज के दौरान मौत के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गौस मेडिकेयर सेंटर के संचालक डॉ. फिरोजउद्दीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। करेली में आबकारी सिपाही इमरान अहमद (35) की इलाज के दौरान मौत के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गौस मेडिकेयर सेंटर के संचालक डॉ. फिरोजउद्दीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सिपाही के पिता ने आरोप लगाया कि लिवर की बीमारी के इलाज के दौरान बेटे को पेट से पानी निकाला गया था। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 23 जुलाई 2024 को उसकी मौत हो गई। एफआईआर के मुताबिक, करेली के करामत की चौकी निवासी अली अहमद सिद्दीकी ने पुलिस को बताया कि बेटा इमरान आबकारी विभाग में कांस्टेबल था। लिवर की बीमारी से पीड़ित होने पर उसे 21 जुलाई 2024 को करेली के गौस मेडिकेयर सेंटर में भर्ती कराया गया था।

इमरान खुद चलकर अस्पताल पहुंचा था। डॉक्टर ने जांच के बाद उसके पेट में पानी भरने की बात कही और पानी निकालने की सलाह देकर उसे ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया।

इसके बाद उसके पेट से पानी निकाला गया। आरोप है कि यह प्रक्रिया किसी पेट या लिवर रोग विशेषज्ञ की सलाह और निगरानी के बिना की गई। प्रक्रिया के तुरंत बाद इमरान की हालत बिगड़ने लगी। डॉक्टर की सलाह पर उसी रात करीब 9रु15 बजे उसे अरोयवर्गम क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती कराया गया। वहां उसे आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। 23 जुलाई की सुबह उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद अली अहमद ने करेली थाने और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से शिकायत की। इसके बाद नौ जून 2025 को पुलिस आयुक्त और करेली थानाध्यक्ष को पंजीकृत डाक से प्रार्थना पत्र भेजा लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। थाना प्रभारी सच्चिदानंद ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

आरोप–डॉक्टर के पास एमबीबीएस और सर्जन की डिग्री नहीं पिता ने आरोप लगाया कि गौस मेडिकेयर सेंटर में आईसीयू, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसके बावजूद बेटे को अस्पताल में भर्ती किया गया। डॉक्टर के पास एमबीबीएस और सर्जन की डिग्री नहीं है। इलाज में लापरवाही और जरूरी संसाधनों के अभाव को बेटे की मौत हुई है। अस्पताल में भर्ती के दौरान 12,400 रुपये भुगतान किया गया था।

पीईटी के बाद उमड़ी भीड़, ट्रेन की लेटलतीफी पर छलका अभ्यर्थियों का दर्द

प्रयागराज। पीईटी देकर लौटे अभ्यर्थियों की भीड़ से रविवार को प्रयागराज जंक्शन, प्रयाग, प्रयागराज रामबाग स्टेशन, विद्या वाहिनी बस स्टेशन पर भीड़ जुटी। देर शाम तक स्टेशनों पर परीक्षा देने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंच गए। वाराणसी, कानपुर और फतेहपुर रूट पर लौटने वाले छात्रों की बेताबी और जनरल बोगियों में जगह न होने पर स्लीपर व एसी कोचों तक में कब्जा जमाने की तस्वीरें चर्चा का विषय रहीं। हालांकि, शाम ढलते ही चलाई गई परीक्षा स्पेशल ट्रेनों ने राहत की सांस दी, तब जाकर जंक्शन पर उमड़ा छात्रों का सैलाब गंतव्य की ओर रवाना हो सका। परीक्षा देकर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ पर ट्रेन का इंजकार कर रहे वाराणसी के अभ्यर्थी विकास सिंह, मनीष बिंद ने कहा कि गनीमत रही कि समय पर परीक्षा छूट गई। कहा कि वाराणसी जाने वाली हर ट्रेन पहले से ही पैक आ रही है। समझ में ही नहीं आ रहा है कि वापस कैसे जाएं। रविवार को वाराणसी रूट पर सारनाथ, कामायनी आदि ट्रेनों में मारामारी रही। सुबह के समय फतेहपुर जाने वाले छात्र चौरी चौरा एक्सप्रेस के एक घंटे विलंब होने से खासे परेशान नजर आए। कुछ अभ्यर्थियों ने ट्रेनों में भीड़ को लेकर अपनी पीड़ा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्त की। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात आठ बजे तक फतेहपुर से सुबेदारगंज, कानपुर सेंट्रल से बलिया, फिरोजाबाद से कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ से कानपुर सेंट्रल आदि स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा चुका था। दूसरी ओर विद्या वाहिनी बस स्टेशन से वाराणसी, फतेहपुर रूट की तरफ जाने वाले अभ्यर्थियों की खूब भीड़ गई।

प्रयागराज

एसआरएन अस्पताल में अधिवक्ता के साथ बदसलूकी पर भड़के वकील , किया चक्काजाम

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ दो दिन पूर्व हुए बदसलूकी के खिलाफ अधिवक्ताओं ने सोमवार को सड़क जाम करके विरोध



प्रदर्शन किया। कहा कि आए दिन वकीलों के साथ अपमान जनक व्यवहार किया जा रहा है। एसआरएन अस्पताल में अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ दो दिन पूर्व हुए बदसलूकी के खिलाफ अधिवक्ताओं ने सोमवार को सड़क जाम करके विरोध प्रदर्शन किया। कहा कि आए दिन वकीलों के साथ अपमान जनक व्यवहार किया जा रहा है। इसके पहले भी कई बार इस तरीके की घटनाएं हो चुकी हैं बावजूद इसके यह

रानी अस्पताल परिसर में अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन किया। मामले में कड़ी कार्रवाई को मांग करते हुए अनिश्चितकालीन प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतर गए हैं।

स्वरूप रानी परिसर अस्पताल में एसीपी विवेक यादव और एसीपी निकिता श्रीवास्तव कई थानों के प्रभारी और पुलिसकर्मियों के साथ मौजूद हैं। फायर ब्रिगेड चौराहे से किया गया रूट डायवर्जन

कृत्य रुक नहीं रहा है। इसके खिलाफ अधिवक्ता आरपार की लड़ाई लड़ने के लिए बाध्य हो गए हैं।

अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला से मारपीट के मामले में स्वरूप फायर ब्रिगेड चौराहा, हनुमान मंदिर चौराहा समेत अन्य जगहों पर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने किया रूट डायवर्जन कर दिया है। एसआरएन मोड़ पर वकीलों के सड़क जाम के चलते सिविल लाइंस का पूरा इलाका जाम की चपेट में आ गया है। इसको देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। पुलिस छावनी में तब्दील हुआ एसआरएन अस्पताल परिसर

टीजीटी-पीजीटी भर्ती की नियमावली पर फिर टकराव शुरू , इस बार आरपारकी लड़ाई का एलान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में टीजीटी-पीजीटी भर्ती की नियमावली को लेकर विवाद फिर गहरा गया है। 19 दिन के आंदोलन के बाद अभ्यर्थियों ने पुरानी नियमावली लागू करने की मांग उठाई थी। अब 17,735 पदों के विज्ञापन में नई नियमावली के तहत आवेदन मांगे जाने पर

प्रतियोगी छात्रों ने दोबारा विरोध शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) की टीजीटी-पीजीटी भर्ती परीक्षा में पुरानी नियमावली लागू करने की मांग को लेकर अभ्यर्थी अड़े हुए हैं। पिछले कई दिनों से चल रहे आंदोलन के बीच के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग के इस रुख के चलते

फंदे से लटका मिला ठेकदार का शव

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के गोतावां गांव में रविवार सुबह एक ठेकेदार का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। जानकारी होने पर परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विधिक कार्रवाई की। थाना क्षेत्र के गोतावां गांव निवासी 26 वर्षीय अंकित सिंह ठेकेदारी करता था। परिजनों के अनुसार, उसने गांव के एक व्यक्ति से 10 हजार रुपये का कर्ज लिया था। साहूकार आए–दिन पैसों का तगादा करता था। इससे वह तनाव में रहने लगा था। पुलिस को दी गई तहरीर में मृतक के पिता ने आरोप लगाया है कि रविवार सुबह कर्ज देने वाला व्यक्ति कई लोगों के साथ उनके घर आया था। पैसों को लेकर उसने अंकित के साथ–साथ माता–पिता से भी विवाद और मारपीट की थी। इसके बाद अंकित अपने कमरे में चला गया। काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों ने उसके कमरे की तरफ जाकर दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर जब उन्होंने खिड़की से झांकर देखा तो वह रोशनदान के सहारे गमछे से लटका हुआ था। आनंदफानन में दरवाजा तोड़कर परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फायर ब्रिगेड चौराहा, हनुमान मंदिर चौराहा समेत अन्य जगहों पर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने किया रूट डायवर्जन कर दिया है। एसआरएन मोड़ पर वकीलों

के सड़क जाम के चलते सिविल लाइंस का पूरा इलाका जाम की चपेट में आ गया है। इसको देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। पुलिस छावनी में तब्दील हुआ एसआरएन अस्पताल परिसर

हंगामा और चक्काजाम को देखते हुए एसआरएन अस्पताल परिसर पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। कोई अप्रिय घटना को न हो इसके लिए तमाम पुलिस

किसानों की समस्याओं पर गरजे राकेश टिकैत , बोले– खेती से मोहभंग कराने की कोशिश

चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने खाद, बिजली

मूल्य का उठाया मुद्दा चौधरी राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को खास तौर पर युवाओं को खेती से दूर करने का प्रयास कर रही है। टिकैत ने आशंका जताई कि ऐसी परिस्थितियों में किसान खेती को घाटे का सौदा मानकर अपनी जमीन उद्योगपतियों को कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसान जमीन

जमीन अधिग्रहण के नाम पर किसानों की जमीन ले रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य

टीजीटी-पीजीटी भर्ती की नियमावली पर फिर टकराव शुरू , इस बार आरपारकी लड़ाई का एलान

आयोग ने अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार नहीं किया है। आयोग की ओर से 17 हजार से अधिक पदों पर भर्ती के लिए जारी विज्ञापन में नई नियमावली

लाखों नौजवान और प्रतियोगी छात्र आवेदन करने से वंचित हो सकते हैं। अभ्यर्थी केवल एक बार पुरानी नियमावली लागू करने की मांग कर रहे हैं।

पिछले दिनों लगातार 19 दिनों तक चले आंदोलन के बाद प्रदेश सरकार की ओर से पुरानी नियमावली लागू करने का

अधिकारी और कई थानों की फोर्स को मौके पर बुला लिया गया है।

एसआरएन में डॉक्टरों ने उप किया कामकाज, लौटाए गए मरीज

एसआरएन अस्पताल के डॉक्टरों ने कामकाज ठप कर दिया है। उपचार के लिए आए मरीजों को लौटा दिया गया है। जिले और दूसरे जनपदों से आए मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आईसीयू में भर्ती एक मरीज की मौत का भी मामला सामने आया है। इसी तरह सांप काटने से घायल एक महिला तीन घंटे से भटक रही है, लेकिन कोई डॉक्टर उपचार करने के लिए तैयार नहीं है। इससे परिजन काफी परेशान हैं और अस्पताल प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं।

एसआरएन में डॉक्टरों के खिलाफ बदसलूकी का आरोप लगाते हुए अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज चौराहे पर सड़क जाम कर दिया है। वह नारेबाजी कर रहे हैं और डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस तरह से उनके ऊपर हमले होते रहेंगे तो चिकित्सक कैसे मरीजों का इलाज कर सकेंगे।

नहीं मिल रहा है। इससे खेती के प्रति किसानों का मोहभंग हो रहा है। कहा कि सरकार किसानों को खास तौर पर युवाओं को खेती से दूर करने का प्रयास कर रही है।

टिकैत ने आशंका जताई कि ऐसी परिस्थितियों में किसान खेती को घाटे का सौदा मानकर अपनी जमीन उद्योगपतियों को कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसान जमीन

अधिग्रहण का विरोध करने के बजाय सरकार की ओर से तय की गई दरों पर सहमत होने की स्थिति में आ सकते हैं।

आश्वासन मिलने पर आंदोलन समाप्त कर दिया गया था। लेकिन विज्ञापन जारी होने पर उसमें नई नियमावली के तहत अर्हता निर्धारित किए जाने से अभ्यर्थी फिर नाराज हो गए हैं। प्रतियोगी छात्र एक बार फिर सड़क पर उतर आए हैं और सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे हैं।

आयोग ने जारी कर दिया है विज्ञापन

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने अभ्यर्थियों के विरोध के बीच प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 17,735 पदों पर भर्ती के लिए शुक्रवार देर शाम विज्ञापन जारी कर दिया। आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार की ओर से जारी सूचना के अनुसार, 24 अक्टूबर से आवेदन किए जा सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 23 नवंबर है। परीक्षा 23 और 24 दिसंबर को प्रस्तावित है। दरअसल, प्रतियोगी छात्र पुरानी नियमावली के तहत परीक्षा कराए जाने की मांग कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने 19 दिनों तक आमरण अनशन भी किया था। दो दिन पहले ही शासन ने उन्हें राहत देते हुए टीईटी उत्तीर्ण करने के लिए 30 जून 2027 तक का समय दिया था, लेकिन भर्ती परीक्षा नई नियमावली के तहत ही कराए जाने की तैयारी है।

अतीक अहमद की करोड़ों की 14 संपत्तियां कुर्क, 11 बीघा जमीन पर पुलिस की कार्रवाई

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। असदुल्लापुर भीटी में मदन लाल भारतीय के नाम पर खरीदे गए 14 भूखंड कुर्क किए गए हैं। इनका कुल रकबा करीब 11 बीघा है। पुलिस के मुताबिक, जमीनें अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई थीं।

माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों के खिलाफ प्रयागराज पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के 14 भूखंड कुर्क कर लिए। ये भूखंड असदुल्लापुर भीटी में स्थित हैं। इनका कुल क्षेत्रफल करीब 11 बीघा बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, इन संपत्तियों को अपराध से अर्जित धन से



खरीदा गया था और इनकी रजिस्ट्री मदन लाल भारतीय के नाम पर कराई गई थी। पुलिस आयुक्त न्यायालय ने 27 जुलाई 2026 को इन संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था। यह आदेश गैंगस्टर एक्ट के तहत पारित किया गया था। आदेश के अनुपालन में रविवार को कैंट थाना प्रभारी अमरनाथ राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान संपत्तियों पर कुर्की से संबंधित बोर्ड भी लगाए गए। कार्रवाई में उपनिरीक्षक रविंद्र, हेड कांस्टेबल तुफैल खान, कांस्टेबल रितेश प्रसाद, पीपलगांव चौकी प्रभारी कुमार गौरव सिंह और कांस्टेबल रविंद्र सिंह शामिल रहे। राजस्व विभाग की ओर से क्षेत्रीय लेखपाल प्रतीक पांडेय ने सहयोग किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अतीक अहमद पर आपराधिक प्रभाव और भय का इस्तेमाल कर लोगों को धमकाने तथा अपराध से अर्जित धन से कीमती जमीनें कम कीमत पर खरीदने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि इन भूखंडों की रजिस्ट्री मदन लाल भारतीय के नाम पर कराई गई थी। इसी आधार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत संपत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई की गई।

प्रयागराज के मौसम का हालत:

प्रयागराज में तीन दिन बारिश के आसार, तेजी से बढ़ेगी ठंड, 28 से बदलेगा मौसम

प्रयागराज। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात का असर प्रयागराज के मौसम पर भी पड़ने के आसार हैं। 28, 29 और 30 अक्तूबर को तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। तापमान में गिरावट से सुबह–शाम ठंड बढ़ेगी। प्रयागराज में इस सप्ताह मौसम का मिजाज बदलने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात के प्रभाव से 28, 29 और 30 अक्तूबर को बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं चलने के साथ कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आएगी और ठंड बढ़ने लगेगी।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक, चक्रवात का असर 28 अक्तूबर से प्रयागराज में दिखाई दे सकता है। इससे एक दिन पहले यानी 27 अक्तूबर से ही मौसम में बदलाव शुरू होने के आसार हैं। 30 अक्तूबर तक इसका प्रभाव बना रह सकता है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ रुक–रुककर बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, 31 अक्तूबर को भी आसमान में हल्के बादल दिखाई दे सकते हैं। बारिश और तापमान में गिरावट के बाद सुबह और शाम के समय ठंड का असर बढ़ेगा। लोगों को सुबह–शाम हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस हो सकती है। दीपावली तक पखों का इस्तेमाल कम होने और ठंड बढ़ने के आसार हैं।

फिलहाल प्रयागराज में दिन और रात के तापमान में काफी अंतर बना हुआ है। अधिकतम तापमान करीब 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। ऐसे में चक्रवात के प्रभाव से बारिश होने पर तापमान में और गिरावट आ सकती है।

तदर्थ कर्मचारी की सामान्य सेवा समाप्ति के लिए विभागीय जांच व सुनवाई जरूरी नहीं, याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तदर्थ या अस्थायी कर्मचारी की सेवा समाप्ति दंडात्मक प्रकृति की नहीं है तो इसके लिए विभागीय जांच और सुनवाई का अवसर देना जरूरी नहीं है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि तदर्थ या अस्थायी कर्मचारी की सेवा समाप्ति दंडात्मक प्रकृति की नहीं है तो इसके लिए विभागीय जांच और सुनवाई का अवसर देना जरूरी नहीं है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने इटावा के राजकीय मूक–बधिर बालिका विद्यालय में कनिष्ठ लिपिक की सेवा समाप्ति के आदेश को वैध ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने रविंद्र पाल सिंह की याचिका पर दिया। याची की नियुक्ति आठ मई 1991 को कनिष्ठ लिपिक के पद पर अस्थायी आधार पर हुई थी। नियुक्ति पत्र में स्पष्ट था कि उसकी सेवाएं अस्थायी हैं। 29 सितंबर 1995 को एक महीने का नोटिस देकर उसकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याची की ओर से दलील दी गई कि नियुक्ति स्थायी पद पर हुई थी और सेवा समाप्त करने से पहले उसे सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। यह अनुच्छेद 311(2) का उल्लंघन है। इस पर राज्य सरकार ने कहा कि नियुक्ति नियमित चयन होने तक अस्थायी व्यवस्था के तहत की गई थी। उत्तर प्रदेश अस्थायी सरकारी सेवक (सेवा समाप्ति) नियमावली–1975 के तहत उसकी सेवा समाप्त करना वैध था। कोर्ट ने कहा कि नियुक्ति पत्र में याची की नियुक्ति तदर्थ और अस्थायी बताई गई थी। उसकी सेवा की पुष्टि का कोई आदेश भी नहीं था। ऐसे में उसे स्थायी कर्मचारी नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सेवा समाप्ति का आदेश दंडात्मक नहीं, 1975 के नियमों के तहत था। इसलिए मामले में अनुच्छेद 311(2) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने 29 सितंबर 1995 से सेवा समाप्ति को वैध ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी।

संदिग्ध हालात में सिपाही की मौत

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में सिपाही अजय कुमार सिंह (52) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। रविवार सुबह करीब 11 बजे कुछ लोग उन्हें ई–रिक्शा से अस्पताल लेकर आए थे। उस समय अजय अचेतावस्था में थे। डॉक्टरों ने जांच की तो उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद अस्पताल लाने वाले लोग चले गए। जांच में पता चला कि अजय मूलरूप से रायबरेली के थाना हरचंद्रपुर गांव कोरड़ा के रहने वाले थे।

सम्पादकीय.....

पेरिस जल रहा है, जिसमें एक महत्वपूर्ण वित्तीय सबक

जैसे —जैसे छात्र विरोध प्रदर्शन पूरे फ्रांस में फैल रहे हैं, इसे एक आम लेकिन फ्रांस की विशिष्ट समस्या मानकर खारिज करना आसान है लेकिन इसके मूल में वह बात है जो दुनिया भर की सरकारों में तेजी से आम होती जा रही है—राजकोषीय फिजूलखर्ची। 200९–10 के ग्रीक संकट की पुनरावृत्ति दूर की कौड़ी लग सकती है लेकिन जैसे—जैसे अशांति फ्रांस की सीमाओं से परे फैल रही है, यह सोचने का समय आ गया है कि क्या इससे हमें कोई सबक मिल सकता है? समस्या की जड़ में फ्रांस की राजकोषीय व्यवस्था को सुधारने में असमर्थता है। देखने में तो ये विरोध प्रदर्शन भारत में शिक्षा को लेकर हुए ‘कॉकरोच’ आंदोलन की चिंताओं को दोहराते हैं—जर्जर कक्षाएं, खराब ढंग से संचालित सरकारी स्कूल इत्यादि। लेकिन समानता यहीं खत्म हो जाती है। भारत के विपरीत, जहां बहुपक्षीय संस्थानों के वर्षों के व्याख्यानों ने आर्थिक नीति निर्माताओं को उच्च राजकोषीय घाटे को लेकर सतर्क कर दिया था, पश्चिमी देशों के धनी देशों को ऐसी कोई चिंता नहीं थी। अंततरु, अब इसका परिणाम भुगतना ही पड़ेगा। निवेशकों ने फ्रांस को ‘यूरोप का बीमार आदमी’ मानना शुरू कर दिया है, जिसका ऋण—से—जी.डी.पी. अनुपात लगभग 120 प्रतिशत है (भारत के लगभग 80 प्रतिशत के विपरीत)। फ्रांस के मामले में, उसका बढ़ता घाटा और कर्ज का बोझ मुख्य रूप से तेजी से बढ़ते पेंशन बिल को नियंत्रित करने में उसकी अक्षमता का परिणाम है। पैरिस इस बात से लंबे समय से अवगत है लेकिन जब भी किसी सरकार ने व्यवस्था में सुधार करने का प्रयास किया, उसे पीछे हटना पड़ा। इसका नतीजा यह है कि उसके कई युवा धीमी आर्थिक वृद्धि, दबावग्रस्त सार्वजनिक सेवाओं और पहले की तुलना में कहीं कम सहायक कल्याणकारी व्यवस्था वाले भविष्य के लिए अभिशाप्त हैं। देश में व्याप्त राजनीतिक उथल-पुथल को भी इसमें जोड़ दें, जहां अगले साल राष्ट्रपति पद के लिए धुर दक्षिणपंथी और धुर वामपंथी उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, तो फ्रांस में आने वाले महीनों में ऐसी उथल—पुथल की आशंका है, जो पूरे यूरो क्षेत्र में फैल सकती है। फ्रांस को जिस प्रश्न का उत्तर देना होगा, और पुलिस बल का प्रदर्शन इसका उत्तर नहीं माना जा सकता, वह यह है कि क्या वह राजकोषीय संयम बरत सकता है? गौर करें—फ्रांस का बजट घाटा उसके सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी.पी.) के 5 प्रतिशत से अधिक है, जो पिछले वर्ष भारत के 4.4 प्रतिशत और इस वर्ष के 4.3 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है और छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ६।१ न जुटाने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है। बैल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन और अल्बानिया में असंतोष के संकेत उभरने के साथ ही यूरोपीय संघ को एक गंभीर परीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। यूरोपीय संघ का विकास और स्थिरता समझौता, जो राष्ट्रीय राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के ३ प्रतिशत तक सीमित करता है, आंशिक रूप से एक सांझा मुद्रा, यूरोए को सक्षम बनाने के लिए एकजुटता हेतु बनाया गया था। आज यह केवल कागजों पर ही मौजूद है लेकिन यूरो क्षेत्र में एक एकीकृत मौद्रिक प्राधिकरण है जिसने हाल ही में मुद्रास्फीति से निपटने के लिए अपनी नीतिगत दर में वृद्धि की है। महंगा ऋण पूरे यूरोप को प्रभावित करता है, लेकिन फ्रांसीसी बांड अपनी बढ़ती उपज और जोखिम प्रीमियम के कारण विशेष रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे पैरिस के लिए सार्वजनिक व्यय हेतु धन उधार लेना बेहद महंगा हो जाता है। ए.आई. के बढ़ते इस्तेमाल के बीच तेल संकट को देखते हुए, पूंजी की बढ़ती कीमत एक वैश्विक प्रवृत्ति है। अमरीका, जिसका कर्ज भी बहुत बढ़ गया है, के पास 2 प्रमुख फायदे हैं। पहला, उसकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत है, जिसका श्रेय काफी हद तक ए.आई. को जाता है, और फ्रांस की तरह कमजोर नहीं है। दूसरा, अमरीकी डॉलर की व्यापार और आरक्षित मुद्रा होने के कारण उसके बांडों की वैश्विक मांग बहुत अधिाक है, जिससे अमरीका हर साल भारी घाटा उठा सकता है। चूंकि अन्य देशों के मामले में ऐसा नहीं है, इसलिए जितनी जल्दी वे इसे पहचान कर उसके अनुसार कार्रवाई करें, उतना ही बेहतर होगा। किसी भी स्थिति में, अमरीकी ब्याज दरें भी बढ़ रही हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि यह सिर्फ युद्ध के कारण आई अस्थिरता है या नहीं, क्योंकि डाटा केंद्रों से परे ए.आई. निवेश चक्र ब्याज दरों को ‘लंबे समय तक उच्च’ रख सकता है (यदि कुल बचत इसके साथ तालमेल नहीं बिठा पाती)। जब ऋण अब आसानी से उपलब्ध नहीं है और कई मोर्चों पर भविष्य अनिश्चित है, तो कोई भी देश अपनी वित्तीय सतर्कता में ढील नहीं दे सकता।

स्वतंत्रता, भोजन व ईंधन से वंचित

लोग उठ खड़े होते हैं विरोध में

पी. चिदम्बरम

जब लोगों को स्वतंत्रता, भोजन, ईंधन या किसी अन्य अत्यंत अनिवार्य आवश्यकता से वंचित किया जाता है, तो वे विरोध में उठ खड़े होते हैं। वर्तमान में, विशेष रूप से युवाओं द्वारा फ्रांस, अल्बानिया, बैल्जियम, ब्राजील, चिली, इटली, मोरक्को और पुर्तगाल—और भारत में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सरकार को दोषी ठहराया जाता है क्योंकि उसे संकट को कम करने या गलतियों को सुधारने के लिए पर्याप्त कदम उठाते हुए नहीं देखा जा रहा। यूरोप में कुछ विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं जो कि निंदनीय है। अमरीका में, लोग शिकायत करते हैं कि खाद्य पदार्थों की कीमतें ‘अवहनीय’ हैं और ईंधन की कीमतें ‘असहनीय’ हो गई हैं। इसके लिए ट्रम्प को जिम्मेदार ठहराया जाता है। फ्रांस में, लोग स्कूलों की खराब सुविधाओं और शिक्षकों की कमी के कारण अच्छी शिक्षा से वंचित होने की शिकायत करते हैं। मैक्रों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। अल्बानिया में, शिकायत एक बहुमूल्य आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र (वैटलैंड ईकोसिस्टम) को व्यावसायिक दोहन के लिए एक अमरीकी पूंजीपति को सौंपने को लेकर है। एदी रामा को जिम्मेदार ठहराया जाता है। इनमें से प्रत्येक विरोध प्रदर्शन

विमर्श

भगवान वाल्मीकि जी ज्ञान, मानवता और सामाजिक चेतना के अमर प्रकाश

अजर—अमर त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि जी भारतीय संस्कृति, साहित्य और मानवता के ऐसे महान प्रेरणास्रोत हैं, जिनका ज्ञान—प्रकाश युगों से समाज का मार्गदर्शन करता आ रहा है। आदिकवि के रूप में प्राप्त उनका सम्मान उनके

राजेश भट्टी

भगवान वाल्मीकि जी का जीवन और साहित्य आज भी हमें ज्ञान, सदाचार और मानवीय मूल्यों से आलोकित जीवन—पथ पर चलने की प्रेरणा देता है।

भगवान वाल्मीकि जी की सर्वश्रेष्ठ कृति रामायण है।

अजर—अमर त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि जी भारतीय संस्कृति, साहित्य और मानवता के ऐसे महान प्रेरणास्रोत हैं, जिनका ज्ञान—प्रकाश युगों से समाज का मार्गदर्शन करता आ रहा है। आदिकवि के रूप में प्राप्त उनका सम्मान उनके

अद्वितीय साहित्यिक अवदान का प्रमाण है। उनके द्वारा रचित रामायण भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर है, जिसने अनगिनत पीढ़ियों को सत्य, मर्यादा, त्याग, कर्तव्य, करुणा और न्याय का पावन संदेश दिया है। भगवान वाल्मीकि जी का जीवन और साहित्य आज भी हमें ज्ञान, सदाचार और मानवीय मूल्यों से आलोकित जीवन—पथ पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान वाल्मीकि जी की सर्वश्रेष्ठ कृति रामायण है। इस महाकाव्य में भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, संघर्षों और कर्त्तव्यनिष्ठा का अत्यंत प्रभावशाली तथा मार्मिक चित्रण मिलता है। रामायण हमें माता—पिता के प्रति श्रद्धा, भाईचारे की भावना, सच्ची मित्रता, त्याग, नारी—सम्मान, सत्य, न्याय और समाज के प्रति उत्तरदायित्व जैसे जीवन—मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देती

है। रामायण केवल धार्मिक आस्था का ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन और समाज के विविध आयामों को समझने का गहन माध्यम भी है। इसमें परिवार और संबंधों की गरिमा, कर्त्तव्य



और संघर्ष की महत्ता, नेतृत्व की मर्यादा तथा मानवीय संवेदनाओं का अत्यंत सजीव और हृदयस्पर्शी चित्रण हुआ है। यही कारण है कि भगवान वाल्मीकि जी की अमर रचना का प्रभाव भारतीय साहित्य, कला, संस्कृति और लोकजीवन पर सदियों से निरंतर बना हुआ है। भगवान वाल्मीकि जी को आदिकवि कहा जाता है। भारतीय काव्य—परंपरा में उनका योगदान गौरवपूर्ण, अनुपम और

अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी अदभुत रचनाशक्ति से साहित्य को ऐसी दिशा प्रदान की, जिसने आने वाली पीढ़ियों के कवियों और लेखकों को निरंतर प्रेरित किया। उनकी काव्य—दृष्टि में

प्रकृति, करुणा, संवेदना, नीति और जीवन—दर्शन का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनकी वाणी में भावों की गहराई है और उनके चिंतन में जीवन को दिशा देने वाली व्यापक दृष्टि। आज के आधुनिक समाज में भगवान वाल्मीकि जी के संदेश की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। समाज की वास्तविक उन्नति केवल भौतिक विकास से नहीं, बल्कि शिक्षा, समानता, भाईचारे और परस्पर सम्मान से संभव

होती है। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम बच्चों और युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करें तथा उन्हें अपनी महान साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ें, ताकि वे अपने अतीत से प्रेरणा ले कर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।समाज से हर प्रकार के भेदभाव को मिटाने और आपसी भाईचारे को सुदृढ़ बनाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। जरूरतमंदों की सहायता करना, महिलाओं का सम्मान करना, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, बुजुर्गों की सेवा करना और युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यही प्रयास समाज में संवेदना, समानता और सदभाव की नींव को मजबूत करेंगे। भगवान वाल्मीकि जी का प्रकाश उत्सव केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, साहित्य, मानवता और सामाजिक चेतना

प्रयागराज में ‘रिदम- द कराओके जंकशन’ एवं ‘द ओडियम’

का शुभारंभ: संगीत प्रेमियों के लिए एक अनूठी सौगात

प्रयागराज। प्रयागराज के सांस्कृतिक एवं संगीत जगत को एक नया आयाम प्रदान करते हुए ‘रिदम द कराओके जंकशन’ तथा ‘द ओडियम’ (क्व्ड) नामक सुव्यवस्थित एवं पेशेवर संगीत स्थल का उद्घाटन

माननीय न्यायमूर्ति राजेश कुमार (सेवानिवृत्त) द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों एवं विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने मेजबान दंपति पीयूष एवं कल्पना टंडन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अनूठी परिकल्पना और इसका समर्पित संगीत स्थल शहर के लिए एक विशिष्ट सौगात है।

प्रख्यात वास्तुकार दंपति पीयूष एवं कल्पना टंडन, जो ‘द कोरस प्रयागराज’ के संस्थापक हैं, की इस अभिनव पहल का उद्देश्य शहर में पिछले सात—आठ वर्षों से संगीत, आपसी सौहार्द और सामूहिक गायन को प्रोत्साहित करने की अपनी सफल यात्रा को एक नए स्तर तक पहुंचाना है। ‘रिदम’ और ‘द ओडियम’ के माध्यम से उन्होंने संगीत के प्रति अपने जुनून को एक ऐसे समर्पित मंच का रूप दिया है, जहाँ आधुनिक तकनीक, रचनात्मकता और गायन के आनंद का संगम है। यह पहल संगीत के अनुभव को अधिक

व्यापक समुदाय तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संगीत प्रेमियों के लिए एक अनूठी परिकल्पना

‘रिदम—द कराओके जंकशन’ को विभिन्न आयु वर्गों और गायन के अलग—अलग अनुभव रखने वाले संगीत प्रेमियों के लिए एक विशिष्ट अवधारणा के रूप में विकसित किया गया है। कोई अपने पसंदीदा गीतों का अभ्यास करना चाहे, गायन कोशल को निखारना चाहे, श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुति देना चाहे, अपनी गायकी की रिकॉर्डिंग करना चाहे अथवा अन्य संगीत प्रेमियों के साथ मिलकर गाना चाहेकू ‘रिदम’ इन सभी गतिविधियों के लिए एक अनुकूल और आकर्षक वातावरण उपलब्ध कराता है।

इस अवसर पर संस्थापक दंपति ने उपस्थित अतिथियों को इस अवधारणा, इसकी विशिष्ट विशेषताओं तथा ‘रिदम’ और ‘द ओडियम’ में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशाल संग्रह में उपलब्ध कराओके ट्रैक्स,

इस पहल का उद्देश्य केवल दक्ष गायकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन शुरुआती गायकों, शौकिया संगीत प्रेमियों और ऐसे लोगों को भी अवसर प्रदान करना है, जो हमेशा गाना चाहते थे, लेकिन आत्मविश्वास या उपयुक्त मंच के अभाव में अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पाए। यह मंच उन्हें अपनी

पेशेवर ध्वनि उपकरणों और उन्नत रिकॉर्डिंग तकनीक के समन्वय से यहीं संगीत का एक संपूर्ण एवं सुविधाजनक अनुभव उपलब्ध कराया गया है।

यहाँ 3,500 से अधिक हिंदी तथा 6,000 से अधिक अंग्रेज़ी कराओके ट्रैक्स का संग्रह उपलब्ध है। इन गीतों को व्यवस्थित डायरेक्टरी में संकलित किया गया है तथा सुविधाजनक उपयोग के लिए वर्णक्रम और कालक्रम के

अनुसार विशिष्ट ट्रैक कोड के साथ व्यवस्थित किया गया है। यह विस्तृत संग्रह विभिन्न युगों, शैलियों और संगीत रुचियों के अनुरूप गीतों की विविधता प्रदान करता है।

इस पहल का उद्देश्य केवल दक्ष गायकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन शुरुआती गायकों, शौकिया संगीत प्रेमियों और ऐसे लोगों को भी अवसर प्रदान करना है, जो हमेशा गाना चाहते थे, लेकिन आत्मविश्वास या उपयुक्त मंच के अभाव में अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पाए। यह मंच उन्हें अपनी गति से अभ्यास करने, झिझक दूर करने, अपनी गायन प्रतिभा को पहचानने और सहयोगपूर्ण वातावरण में संगीत का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

‘द ओडियम’—आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पेशेवर संगीत स्थल

‘रिदम’ के साथ ‘द ओडियम’ एक सुविचारित एवं पेशेवर ढंग से विकसित संगीत स्थल है, जिसे एकल गायन, सामूहिक

प्रस्तुतियों और सीमित संख्या में संगीत प्रेमियों की आत्मीय संगीत बैठकों के लिए तैयार किया गया है।

यहाँ पेशेवर स्तर के स्पीकर, अंतर्निर्मित माइक्रोफोन, एकीकृत ऑडियो वायरिंग व्यवस्था तथा एक समर्पित कंट्रोल हब उपलब्ध है। इसकी आधुनिक तकनीकी सुविधाओं में 4इन प्रोजेक्टर, विशाल डिस्प्ले स्क्रीन तथा विभिन्न कोणों से वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए अनेक 4इन कैमरे शामिल हैं। व्हे‘जनकपव पर आधारित आंतरिक रिकॉर्डिंग व्यवस्था के माध्यम से ऑडियो—वीडियो रिकॉर्डिंग और लाइव स्ट्रीमिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। इससे गायकों को अपनी प्रस्तुतियों की उच्च गुणवत्ता वाली रिकॉर्डिंग तैयार करने और उन्हें साझा करने के नए अवसर मिलते हैं।

कराओके सुविधाओं, पेशेवर ध्वनि उपकरणों और आधुनिक रिकॉर्डिंग तकनीक का यह समन्वय ‘द ओडियम’ को संगीत अभ्यास, अनौपचारिक प्रस्तुतियों, सामूहिक गायन, निजी संगीत बैठकों तथा एकल एवं समूह प्रस्तुतियों की रिकॉर्डिंग के लिए उपयुक्त बनाता है।

लगभग 50 से 60 लोगों की क्षमता वाला यह संगीत स्थल आधुनिक तकनीक और सामूहिक गायन की आत्मीयता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य संगीत प्रेमियों को एक ऐसा सहज एवं आरामदायक वातावरण उपलब्ध कराना है, जहाँ वे एक साथ आकर संगीत के माध्यम से जुड़ सकें।

‘द कोरस’ की संगीत यात्रा का विस्तार यह पहल पीयूष एवं कल्पना टंडन द्वारा ‘द कोरस प्रयागराज’ के माध्यम से शुरू की गई संगीत यात्रा का स्वाभाविक विस्तार है। पिछले सात—आठ वर्षों में ‘द कोरस’ ने विषय—आधारित संगीत बैठकों, रचनात्मक प्रस्तुतियों और गीत—संगीत के प्रति साझा प्रेम के माध्यम से शहर के अनेक संगीत प्रेमियों को एक साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जहाँ ‘द कोरस’ अपनी विशिष्ट सामुदायिक संगीत गतिविधियों को जारी रखेगा, वहीं ‘रिदम’ और ‘द ओडियम’ व्यक्तियों एवं समूहों के लिए नियमित रूप से और स्वतंत्र रूप में संगीत से जुड़ने के व्यापक अवसर उपलब्ध

को आगे बढ़ाने का पावन अवसर है। इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके आदर्शों को केवल समारोहों और आयोजनों तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि उन्हें अपने आचरण, व्यवहार और जीवन—पद्धति का हिस्सा बनाएंगे। आज आवश्यकता है कि भगवान वाल्मीकि जी के साहित्य और विचारों को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। बच्चों में शिक्षा के प्रांरुचि जगाई जाए, उनमें संस्कार और संवेदनशीलता विकसित की जाए तथा युवाओं को समाज—सेवा, अनुशासन और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित किया जाए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।अजर अमर त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि जी का संदेश हमें सिखाता है कि ज्ञान समाज को प्रकाश देता है, साहित्य विचारों को दिशा देता है और मानवता समाज को सुदृढ़ बनाती है। उनके द्वारा रचित रामायण और उनकी महान साहित्यिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को सदैव सत्य, कर्त्तव्य, करुणा, न्याय और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी। जय वाल्मीकि जी। हर हर वाल्मीकि जी

कराएंगे। इस पहल का उद्देश्य कराओके एवं रिकॉर्डिंग सुविधाओं तक सुविधाजनक पहुँच उपलब्ध कराना तथा संगीत के प्रति सहभागिता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और आपसी संवाद को प्रोत्साहित करना है। संस्थापक दंपति ने अपनी परिकल्पना साझा करते हुए बताया कि वे ‘रिदम’ और ‘द ओडियम’ को केवल एक कराओके सुविधा तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि इसे संगीत प्रेमियों के लिए एक जीवंत और स्वागतपूर्ण मंच के रूप में विकसित करना चाहते हैं। उनकी कल्पना एक ऐसे संगीत परिवेश की है, जहाँ हर व्यक्ति अपने अनुभव के स्तर से परे जाकर अभ्यास कर सके, प्रस्तुति दे सके, अपनी गायकी रिकॉर्ड कर सके, दूसरों के साथ मिलकर गाने सके और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके।

गीतों के समृद्ध संग्रह, पेशेवर उपकरणों और समर्पित संगीत स्थल को एक साथ लाने का यह पहल गायन के दैनिक जीवन का सहज, आनंददायक और सार्थक हिस्सा बनाने का प्रयास करती है। ‘रिदम—द कराओके जंकशन’ का शुभारंभ तथा ‘द ओडियम’ का उद्घाटन प्रयागराज की सांस्कृतिक गतिविधियों में एक नया अध्याय जोड़ता है। यह पहल संगीत से जुड़ने, रचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने तथा सामुदायिक सौहार्द को मजबूत बनाने के लिए नए अवसर उपलब्ध कराती है। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति इस अवसर पर पीसीपीआरओ, एनसीआर श्री मुदित चंद्रा, श्री वी.के. मित्तल, श्री आनंद घिल्लियाल, श्री राजीव माहेश्वरी, श्री भूपेंद्र शुक्ला, श्री गोविंद सिंह, श्री संजीव त्रिपाठी, श्री संजीव भार्गव, श्री तरुण नौनानी, सीए श्री आर.के. अग्रवाल, श्री शैलेंद्र सिंह, श्री ज्योति दुबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, शुभचिंतक एवं संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया। इस अवसर पर अनेक अतिथियों ने अपनी गायन प्रस्तुतियाँ भी दीं तथा इस अनूठे संगीत स्थल में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं का आनंद लिया।



हाल ही में कॉफी विद करण शो के एक एपिसोड में रश्मिका मंदाना ने अपने दक्षिण भारतीय लहजे के बारे में बात की थी, जिसके बाद अभिनेत्री मधु उनके समर्थन में सामने आई हैं। मधु ने रश्मिका की इस बात के लिए तारीफ की कि उन्होंने अपनी पहचान को अपनाया और आलोचनाओं का सामना पूरे आत्मविश्वास के साथ किया। सोशल मीडिया पर अपनी आई एम इन लव सीरीज के तहत शेयर किए गए एक वीडियो में, मधु ने बताया कि उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करण में रश्मिका को देखा और जिस तरह से उन्होंने अपने लहजे को लेकर हुई आलोचनाओं का जवाब दिया, उसकी काफी सराहना की। मधु ने कहा, मैंने हाल ही में रश्मिका मंदाना का कॉफी विद करण शो देखा। अपने लहजे को लेकर हुई आलोचनाओं को उन्होंने जिस तरह से संभाला, वह मुझे बहुत अच्छा लगा। वह इस पर हंसती हैं, इसे स्वीकार करती हैं और गर्व से कहती हैं कि वह दक्षिण भारतीय हैं। वह कहती हैं, हां, मैं दक्षिण भारतीय हूं और मेरा लहजा भी दक्षिण भारतीय है। वह इसे लेकर बहुत सहज हैं और मुझे उनका यह अंदाज बहुत पसंद आया। उन्होंने आगे कहा, प्कई साल पहले, जब मैं हिंदी फिल्मों में अभिनेत्री बनी थी, तो मुझे इस बात का बहुत डर था कि दक्षिण भारतीय होने की वजह से लोग मेरे बारे में क्या

सोचेंगे या क्या कहेंगे। मैंने बहुत ज्यादा मेहनत की। मैंने उर्दू सीखने के लिए एक टीचर रखा और अपनी हिंदी को बेहतर बनाया। मैंने हर मुमकिन कोशिश की ताकि मेरे लहजे की वजह से कोई मुझे पकड़ न सके या मुझ पर सवाल न उठाए। मधु ने कहा, “अगर कोई मेरी बोली में थोड़ा सा भी लहजा पकड़ लेता, तो मैं बहुत परेशान हो जाती और उसे सुधारने के लिए और ज्यादा मेहनत करती। मुझे बहुत गर्व महसूस होता था जब लोग कहते थे कि मेरी हिंदी, हिंदी बोलने वालों से भी बेहतर है। यह मेरा सफर था। आज, मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व होता है कि मैं एक दक्षिण भारतीय हूं। अगर मुझसे हिंदी बोलने में कोई गलती हो जाती है या मेरी बोली में दक्षिण भारतीय लहजा आ जाता है, तो मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन यहां तक पहुंचने में मुझे 30 से 35 साल लग गए। उन्होंने आगे कहा, “रश्मिका, तुम बहुत मजबूत हो! मुझे बहुत अच्छा लगा कि तुम इसे अपनाती हो, इस पर हंसती होकृतुम सच में एक स्टार हो।

वीडियो के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, “मुझे दक्षिण भारतीय होने और अपने दक्षिण भारतीय लहजे पर गर्व है। मुझे यहां तक पहुंचने में 30 साल लग गए, लेकिन रश्मिका, तुम पहले ही उस मुकाम पर हो। हाल ही में तुम्हारा एक इंटरव्यू देखा, जिसमें तुम्हारी यह बात मुझे

अपने साउथ इंडियन एक्सेंट पर ट्रोल हुई रश्मिका मंदाना, सपोर्ट में उतरीं एक्ट्रेस मधु, कहीं दिल छूने वाली बात

66

मधु ने कहा, मैंने हाल ही में रश्मिका मंदाना का कॉफी विद करण शो देखा। अपने लहजे को लेकर हुई आलोचनाओं को उन्होंने जिस तरह से संभाला, वह मुझे बहुत अच्छा लगा।

बहुत अच्छी लगी। तुम बहुत मजबूत हो, बस ऐसी ही स्टार बनी रहो...” अभिनेत्री की यह टिप्पणी तब आई है, जब हिंदी उच्चारण को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच जाने–माने गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने रश्मिका का समर्थन किया है। एक्स (पहले ट्विटर) पर जावेद अख्तर ने लिखा, “जिन्हें तमिल अभिनेत्री रश्मिका के उच्चारण से कोई दिक्कत है, उन्हें तमिल भाषा की कुछ पंक्तियां पढ़ने के लिए दी जानी चाहिए। तमिल दुनिया की सबसे पुरानी बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, देखते हैं कि वे इसे कितनी अच्छी तरह बोल पाते हैं। भाषा को लेकर यह बनावटी और बेबुनियाद श्रेष्ठता की भावना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। यह चर्चा तब शुरू हुई जब रश्मिका कॉफी विद करण शो में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने लहजे, भाषा और अभिनय को लेकर हुए ट्रोलिंग के बारे में बात की। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने दक्षिण भारतीय लहजे से कोई दिक्कत क्यों नहीं है। उन्होंने कहा, “मुझे इससे कोई परेशानी नहीं थी क्योंकि लोगों का कहना था कि मेरी बोली में दक्षिण भारतीय लहजा है। लेकिन मैं तो दक्षिण भारत से ही हूं, तो जाहिर है कि मेरी बोली में ऐसा लहजा होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना ही बेतुका है।

आमिर खान पर हमला करना चाहते थे शूटर्स, लेकिन टाइगर श्रॉफ पर चली गोलियां, फायरिंग केस में सामने आया नया खुलासा

18 अक्टूबर को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर कुछ हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थीं। इस घटना में टाइगर बाल–बाल बच गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस अब तक कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, इस केस में एक नया और चौंकाने वाला एंगल सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइगर श्रॉफ से पहले हमलावरों ने अभिनेता आमिर खान के घर की रेकी की थी। दावा किया जा रहा है कि इस पूरे मामले में आमिर खान पहले निशाने पर थे। आखिर हमलावरों ने टाइगर श्रॉफ को कैसे टारगेट किया और इस मामले में आमिर खान का नाम कैसे सामने आया ? आइए जानते हैं पूरे मामले की जानकारी। एक रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच में पुलिस को पूछताछ के दौरान कुछ अहम जानकारियां मिली हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टाइगर श्रॉफ हमलवारों



के शुरुआती निशाने पर नहीं थे बल्कि इससे पहले उन्होंने अभिनेता आमिर खान को टारगेट करने की योजना बनाई थी। हालांकि, इस दावे की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। इसके अलावा हमलावरों ने आमिर ने आमिर खान के मुंबई स्थित घर की कथित तौर पर तीन बार रेकी की थी। इस दौरान उन्होंने अभिनेता की गतिविधियों पर नजर रखने और उनके आने–जाने के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की। हालांकि, हमला करने का अनुकूल मौका नहीं मिल पाने के कारण वे कथित तौर पर अपनी योजना को अंजाम नहीं दे सके। जांच में सामने आई जानकारी के मुताबिक, आमिर खान पर हमला करने की कथित योजना नाकाम रहने के



बाद हमलावरों ने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का प्लान बनाया। बताया जा रहा है कि टाइगर जुहू स्थित एक पार्क में फुटबॉल खेलने के लिए आते थे। हमलावरों ने इसी बात का फायदा उठाया और मौका मिलने पर उनकी कार पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। हालांकि, इस मामले में टाइगर श्रॉफ बाल–बाल बच गए। इससे पहले भी टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच के दौरान कुछ अन्य बॉलीवुड सितारों के नाम संभावित निशाने के तौर पर सामने आने की खबरें आई थीं। इनमें रणबीर कपूर, सलमान खान और अक्षय कुमार के नाम भी शामिल बताए गए थे। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

भगवान राम का किरदार निभाकर बदले रणबीर कपूर, कहा- ये रोल निभाने के बाद उन्हें राहा के लिए बेहतर पिता बनने में मदद मिली



बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने बताया कि आने वाली महाकाव्य फिल्म श्रमामयणश् में भगवान राम का किरदार निभाना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि जब उन्हें यह रोल ऑफर हुआ, तो सबसे पहले उनके मन में डर और खुद पर संदेह पैदा हुआ। अभिनेता ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय विवज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के दिवाली स्पेशल एपिसोड में इस खास किरदार की तैयारी के अपने सफर के बारे में बात की। इस अहम रोल के मिलने और अपनी शुरुआती घबराहट के बारे में बताते हुए, रणबीर कपूर ने होस्ट अमिताभ बच्चन से कहा, सर, जब मुझे यह रोल ऑफर हुआ, तो मैं जानता था कि यह सिर्फ एक रोल नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मेरे मन में सबसे पहले डर आया क्या मैं इसके काबिल हूं ? क्या मैं यह कर पाऊंगा? क्योंकि करोड़ों लोगों की आस्था प्रभु श्री राम से जुड़ी हुई है... उन्होंने बताया

अभिनेता ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय विवज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति के दिवाली स्पेशल एपिसोड में इस खास किरदार की तैयारी के अपने सफर के बारे में बात की।

कि कैसे उनकी शुरुआती घबराहट बाद में गहरी कृतज्ञता में बदल गई। उन्होंने आगे कहा, पर बहुत जल्दी सर ये, ये जो डर था वो आभार में बदला, कि मुझे इस मुकाम में, मेरी जिंदगी की इस उम्र में, मुझे ये मौका मिल रहा है, एक अच्छा एक्टर बनने का। एक्टर सर को भूल जाइए, एक अच्छा इंसान बनने का मौका, उसी दौरान सर, मैं पहली बार पिता बना। मेरी बेटी राहा का जन्म हुआ, तो मैं यही मानता हूं कि यह भगवान का उपहार था सर, मुझे एक बेहतर इंसान बनने का मौका मिला, गहरी से रामायण को समझने का मौका मिला, इन सब लोगों के साथ, खूबसूरत लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। महाकाव्य के मूल्यों को आत्मसात करने पर अपने हार्दिक विचारों को समाप्त करते हुए, रणबीर ने कहा, “सर हम। प्रभु श्री राम के जैसा बनना तो संभव नहीं है, लेकिन उनके आदर्शों से कुछ सीखना मेरे ख्याल से हम सभी के लिए बहुत बड़ी बात है।



यशराज फिल्म्स की नई पेशकश ‘बेपरवाह’, पहली बार साय नजर आएंगे अहान पांडे और शरवरी

यशराज फिल्मस ने अपनी आगामी रोमांटिक एक्शन–ड्रामा फिल्म ‘बेपरवाह’ के टाइटल की घोषणा कर दी है। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अहान पांडे और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा कर रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल के साथ इसका टीजर पोस्टर भी जारी किया है। सिनेमाघरों में रिलीज होने से पांच महीने पहले किए गए इस ऐलान ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्पुकता बढ़ा दी है। ‘सैयारा’ से लोकप्रियता हासिल करने वाले अहान पांडे और शरवरी पहली बार इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर एक साथ दिखाई देंगे। निर्देशक अली अब्बास जफर एक बार फिर यशराज फिल्मस के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह इस प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस के लिए ‘सुल्तान’ और ‘टाइगर जिंदा है’ जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। अब ‘बेपरवाह’ के जरिए वह एक नई रोमांटिक एक्शन–ड्रामा कहानी लेकर आ रहे हैं। फिल्म के टाइटल और टीजर पोस्टर की घोषणा के साथ ही दर्शकों को अहान पांडे और शरवरी की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने का इंतजार है। रोमांस और एक्शन के मेल से सजी इस फिल्म में दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री कहानी का अहम हिस्सा होने की उम्मीद है। आदित्य चोपड़ा के निर्माण और अली अब्बास जफर के निर्देशन में बन रही ‘बेपरवाह’ 26 मार्च 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



रवीना टंडन मना रहीं 54वां बर्थडे, ओटीटी और हिट फिल्मों से चमकीं

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा 26 अक्टूबर को अपना 54वां जन्मदिन मना रही हैं। वह बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तमिल–तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने अपनी खूबसूरती और अदाकारी से फिल्म इंडस्ट्री में अपना खास मुकाम बनाया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके अभिनेत्री रवीना टंडन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... जन्म और परिवार मुंबई में 26 अक्टूबर 1974 को रवीना टंडन का जन्म हुआ था। उन्होंने मुंबई के जुहू स्थित जमनाबाई पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है। फिर मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान रवीना को मॉडलिंग का ऑफर मिलने लगा था। वहीं रवीना के पिता रवि टंडन भी निर्देशक हैं। ऐसे में उन्होंने फिल्मों में आने से पहले मॉडलिंग करने लगीं। फिल्मी सफर साल 1991 में फिल्म श्पत्थर के फूलश् से रवीना टंडन ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए रवीना को फिल्मफेयर का न्यू फेस ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला था। रवीना टंडन ने अपने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दीं हैं। जिनमें दिलवाले, लाडला, दूल्हे राजा, अंखियों से गोली मारे, अंदाज अपना अपना, खिलाड़ियों के खिलाड़ी और मोहरा जैसी फिल्में बड़ी हिट साबित हुईं।

सक्षिप्त



नोकिया और एलटीटीएस के बीच 5 साल का करार

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भारत में इंजीनियरिंग तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सहयोग के लिए नोकिया के साथ पांच साल का अनुबंध करने की सोमवार को घोषणा की। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अनुबंध के तहत एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) की इंजीनियरिंग क्षमताओं और नोकिया के दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों को एक साथ लाया जाएगा। विज्ञप्ति में अनुबंध के आकार या वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया। समझौते के तहत, एलटीटीएस उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन तथा उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नोकिया के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों में सहयोग करेगी। एलटीटीएस नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास पहलों में सहयोग के लिए भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी। इस सहयोग में अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद इंजीनियरिंग, नए उत्पादों का विकास, एम्बेडेड सिस्टम, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और निरंतर सहायता शामिल होगी। नोकिया में इंजीनियरिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक जायसवाल ने कहा, “भारत नोकिया के लिए नवाचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है और एलटीटीएस एक अहम साझेदार है। वह इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और ऐसी कार्यप्रणालियां उपलब्ध कराएगी, जो इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में हमारी अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तार करने और नवाचार को गति देने में मदद करेंगी।” एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज में रणनीतिक पहल एवं वृद्धि बाजारों के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष अलिंद सक्सेना ने कहा कि यह रणनीतिक सहयोग एलटीटीएस एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सैंसेक्स में 483 अंकों की उछाल, चार दिन से जारी गिरावट पर लगा ब्रेक

आकर्षक कीमतों पर खरीदारी तथा धातु, दूरसंचार और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में तेजी के चलते सोमवार को मानक सूचकांक सेंसेक्स करीब 483 अंक चढ़ गया। वहीं निपटी 22,750 अंक के ऊपर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में लगातार चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 482.92 अंक या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,606.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 73,606.75 का उच्च स्तर और 72,514.57 का निचला स्तर छुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला निपटी 153.20 अंक या 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,753.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, इंटरग्लोब एविेशन और आईटीसी में उल्लेखनीय बढ़त हुई। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, मारुति, एचसीएल टेक और पावर ग्रिड नुकसान में रहने वाले शेयरों में शामिल थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “भारतीय शेयर बाजार को शुरुआती नुकसान से उबरने में मूल्य आधारित खरीदारी और धातु, ऊर्जा तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों की मजबूती का समर्थन मिला। हालांकि, कच्चे तेल के ऊंचे दाम, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और प्रमुख केंद्रीय बैंकों के नीतिगत फैसलों के इंतजार ने बाजार की धारणा को नपा-तुला रखा। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी कुछ सुधार देखने को मिला। वैश्विक तेल मानक ब्रेट क्रूड 1.60 प्रतिशत गिरकर 114.8 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निकी गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के बाजार दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 887.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

हुंदै ने 9.99 लाख रुपये में उतारी बेयॉन SUV, क्रेटा के साथ मिलकर बड़ी बिक्री का लक्ष्य

वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया ने सोमवार को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित खूबियों वाले नए एसयूवी मॉडल बेयॉन को 9,99,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया। कंपनी ने बेयॉन और क्रेटा मॉडल की 2027 में कुल 2.5 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री का लक्ष्य रखा है। हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने नए मॉडल की पेशकश के मौके पर कहा कि कंपनी मध्यम आकार के स्पेटर्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए क्रेटा और बेयॉन की संयुक्त बिक्री बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सालाना 2.5 लाख इकाइयों की बिक्री का लक्ष्य शुरुआती आधार है और कंपनी आगे भी वृद्धि जारी रखेगी। गर्ग ने कहा कि भारत में हुंदै के 30 साल पूरे हो चुके हैं और देश कंपनी की वैश्विक रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में कंपनी की कुल बिक्री 1.4 करोड़ इकाई के आंकड़े को को पार कर चुकी है। इसमें से 40 लाख वाहन निर्यात किए गए हैं। कंपनी चेन्नई में दो और पुणे में एक विनिर्माण संयंत्र संचालित करती है। उसके वाहन में स्थानीय स्तर पर विनिर्मित कलपुर्जों की हिस्सेदारी करीब 92 प्रतिशत है और देशभर में उसके 3,900 से अधिक बिक्री एवं सेवा केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी वर्ष 2030 तक हर साल एक नया उत्पाद पेश करने की योजना पर काम कर रही है। इसके तहत सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन खंड पर ध्यान दिया जाएगा। गर्ग ने कहा कि बेयॉन मॉडल की पेशकश के बाद कंपनी इस साल एक कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी भी पेश करेगी। हुंदै के लिए 4.2 मीटर लंबे आकार वाली एसयूवी बेयॉन नई उत्पाद रणनीति का हिस्सा है। इसे चार मीटर से कम लंबाई वाले मॉडल वेन्यू और मध्यम आकार वाले एसयूवी मॉडल क्रेटा के बीच रखा गया है। क्रेटा पिछले 11 साल में 15 लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री के साथ कंपनी का प्रमुख मॉडल बनी हुई है।

खेल

टीम इंडिया की डेथ ओवर गेंदबाजी बनी न्यूजीलैंड की हार की वजह, बोले माइकल ब्रैसवेल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रैसवेल ने सोमवार को कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने मौजूदा टी20 श्रृंखला के दौरान डेथ ओवरों में उनके बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा है जो उनकी टीम का पहला दो मैच में हार का प्रमुख कारण रहा है। ब्रैसवेल से जब उन कुछ न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रैसवेल ने सोमवार को कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने मौजूदा टी20 श्रृंखला के दौरान डेथ ओवरों में उनके बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा है जो उनकी टीम का पहला दो मैच में हार का प्रमुख कारण रहा है। ब्रैसवेल से जब उन कुछ प्रमुख क्षेत्रों की बात करने के लिए कहा गया जिनमें वह कमजोर नजर आए तो उन्होंने कहा कि उनकी टीम को अधिक रन बनाने की जरूरत थी लेकिन भारत की डेथ ओवरों की शानदार गेंदबाजी के कारण वह ऐसा नहीं कर पाए।

न्यूजीलैंड पहले मैच में 225 और दूसरे मैच में 180 रन का बचाव नहीं कर पाया। ब्रैसवेल ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, “मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दबाव में रखा, खासकर गेंदबाजी करते हुए डेथ ओवरों में। इन दोनों मैच में काफी रन बने इसलिए उन्होंने एकतरफा जीत हासिल नहीं की। इस तरह के मैचों में महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होता है। भारत ने ऐसा किया और उम्मीद है कि आगे हम ऐसा करने में सफल रहेंगे।” भारतीय गेंदबाजों ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के आखिरी दो ओवरों में 26 रन दिए और दूसरे मैच के आखिरी दो ओवरों में 23 रन देकर मेजबान टीम को नियंत्रण में रखा। लेकिन ब्रैसवेल का मानना ​​​​घड़े कि न्यूजीलैंड अपना संपूर्ण प्रदर्शन करने के लगभग करीब है। उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि यह उन चीजों पर नियंत्रण करने से जुड़ा है जिनमें हम वास्तव में अच्छा



प्रदर्शन करते रहे हैं। यह प्रत्येक खिलाड़ी का हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने से जुड़ा है।” ब्रैसवेल ने भारत के सलामी बल्लेबाजों संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को रोकने की चुनौती को स्वीकार किया। पहले

मैच में सैमसन और अभिषेक ने धमाकेदार शुरुआत की और भारत ने पावरप्ले में 94 रन बनाए। उन्होंने कहा, “हमने बल्लेबाजी गुप के तौर पर इस बारे में बात की और मुझे यकीन है कि गेंदबाजों ने भी ऐसा ही किया

होगा। हम मैच के दौरान जो अच्छा करते रहे हैं बस उसकी अवधि को बढ़ाने की जरूरत है। जैसा कि मैंने कहा, हम खेल के लंबे समय तक मुकाबले में बने रहे हैं। यहां तक ​​​​घड़ि कई बार तो हम हावी भी रहे

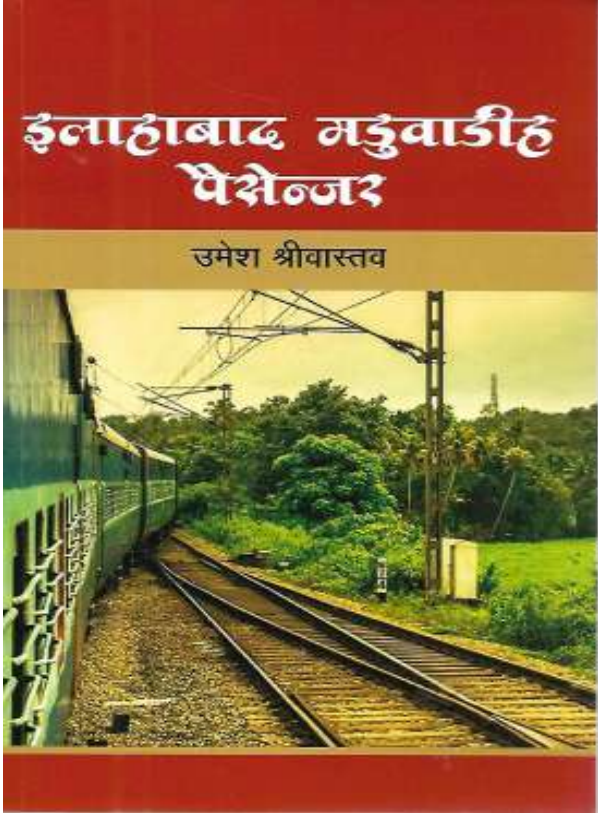
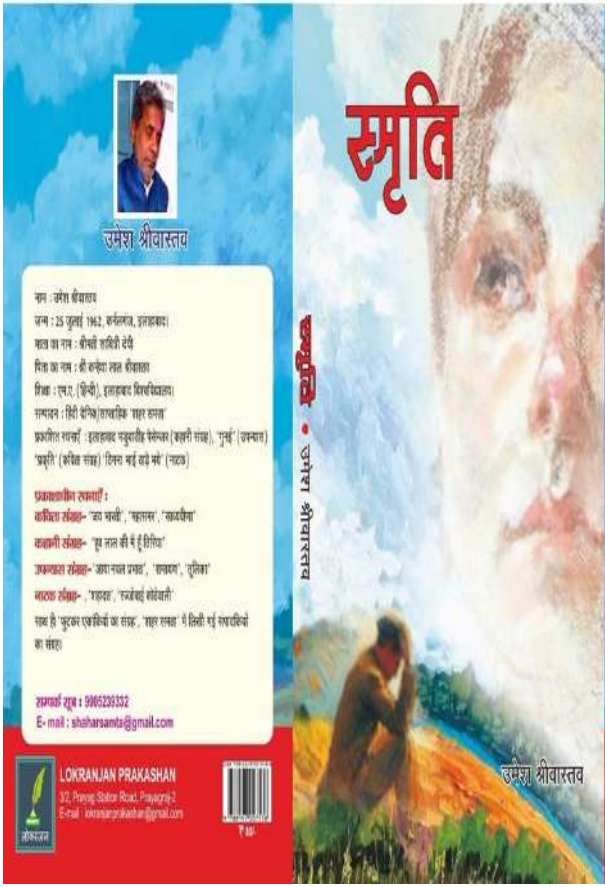
हैं।” ब्रैसवेल ने कहा, “मुझे लगता है कि उन्होंने पावरप्ले में काफी शानदार शुरुआत की है। यह निश्चित रूप से एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं।”

गौतम गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया ने नेट्स में बहाया पसीना, तीसरे T20I पर नजर

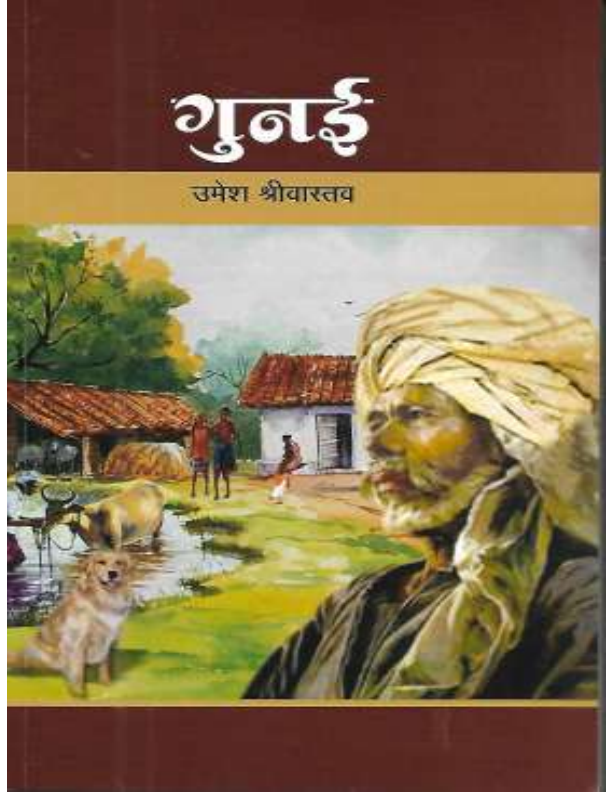
न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की ज20ए सीरीज में 2–0 की बढ़त के बाद भारतीय टीम मंगलवार को वेलिंगटन में तीसरा मैच खेलेगी। शुरुआती दोनों मुकाबलों में चार-चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करने के बाद टीम इंडिया की नजर सीरीज अपने नाम करने पर है। मुकाबले से पहले खिलाड़ियों ने नेट्स में कड़ा अभ्यास किया।

भारतीय टीम मंगलवार को वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे ज20ए के लिए तैयार है। 2–0 की बढ़त लेने के बाद, टीम का लक्ष्य इस पांच मैचों की सीरीज को अपने नाम करना है। तीसरे T20I से पहले, भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी और नमन धीर ने नेट्स में अपनी स्किल्स को निखारा, जबकि मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने गेंदबाजी का कड़ा अभ्यास किया। तीसरे T20I के लिए टीम की तैयारियों के बीच, बाएं हाथ के रिस्ट-स्पिनर

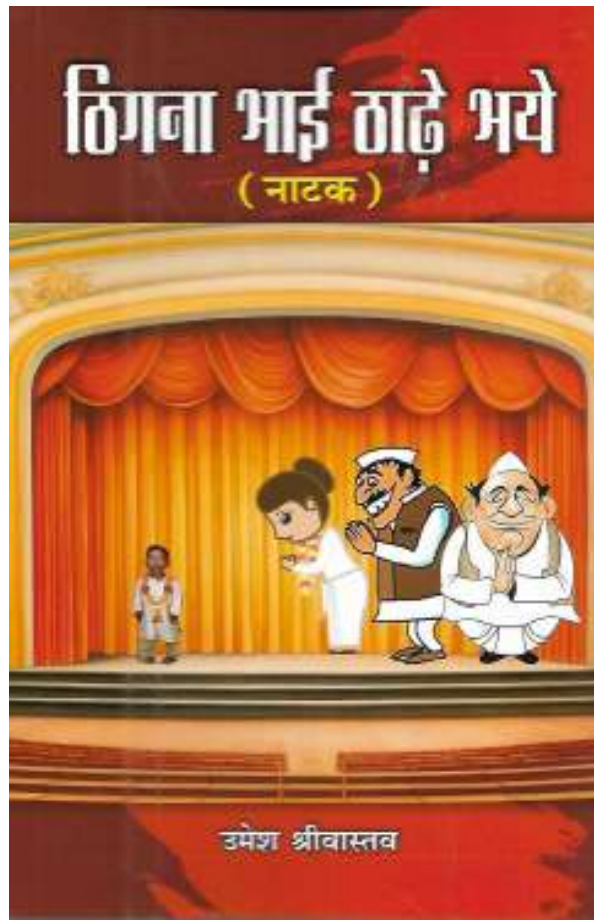
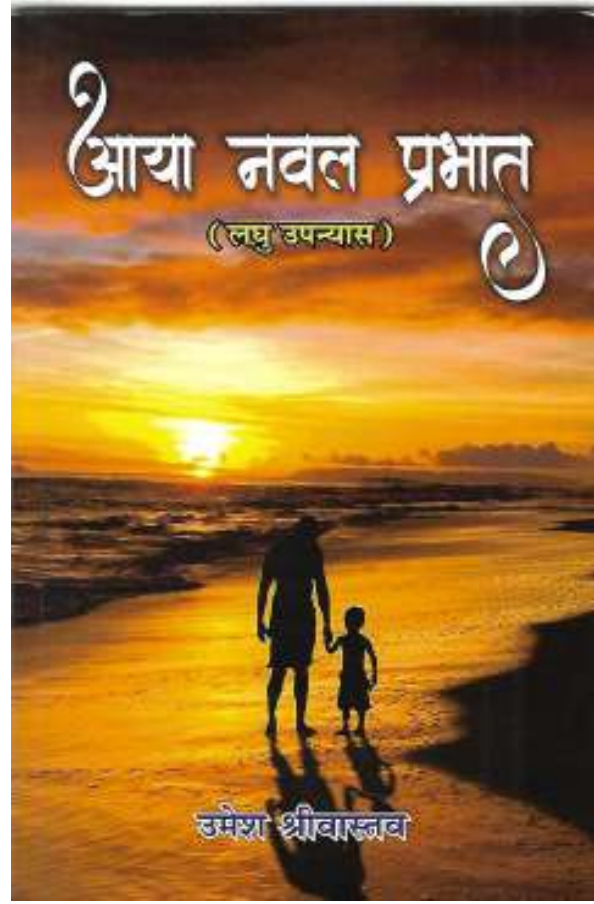
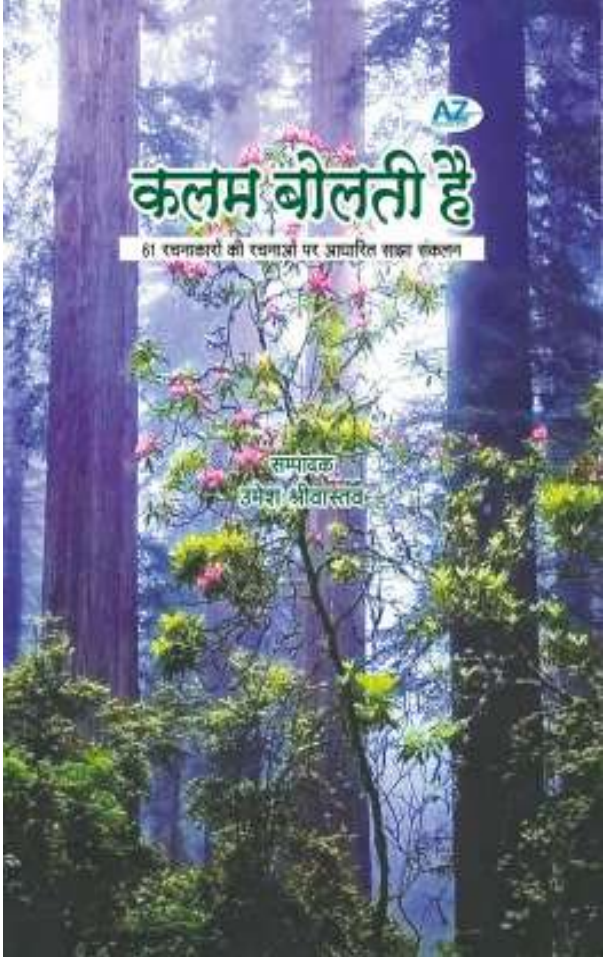
कुलदीप यादव को भी भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पांच मैचों की T20I सीरीज की मजबूत शुरुआत की है; 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेले गए पहले मैच में भारत ने चार विकेट से जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए, न्यूजीलैंड ने 20 ओवरों में 225/4 का स्कोर बनाया, जिससे भारत पर एक मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने का दबाव आ गया। हालांकि, संजू सैमसन ने 33 गेंदों पर 67 रनों की शानदार पारी खेलकर मोर्चा संभाला, जबकि नमन धीर ने सिर्फ 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाए। इनकी मदद से भारत ने 19.4 ओवरों में 230/6 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। धीर की आखिरी समय की आक्रामक बल्लेबाजी निर्णायक साबित हुई और भारत ने दो गेंदें शेष रहते हुए एक रोमांचक जीत दर्ज की। 24 अक्टूबर को खेले गए दूसरे ज20ए मैच में भारत ने अपनी



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पेशेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

फ्रांस में 75 जगहों पर आगजनी और 24 दुकानों में लूटपाट, पुलिस ने 1314 को किया गिरफ्तार

फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि सप्ताहांत पर बढ़ती महंगाई के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस ने 1,314 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि झड़पों में 53 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। शनिवार को देश के बड़े शहरों में हुए बड़े प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी, जो लगातार दूसरे सप्ताहांत अशांति का कारण बनी। ये विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहे हैं जब फ्रांस में अप्रैल और मई में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इन चुनावों में मतदाता राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के उत्तराधिकारी को चुनेंगे। मैक्रों का संवैधानिक रूप से तय दो कार्यकाल का समय अब छहपूरा होने वाला है। गृह मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस को 75 जगहों पर लगी आग को बुझाने के लिए कार्रवाई करनी पड़ी, जबकि 24 दुकानों में लूटपाट हुई। प्रशासन ने इन घटनाओं की कई जांच शुरू कर दी हैं, हालांकि अधिकारियों ने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। मंत्रालय ने बताया कि झड़पें शांत होने के बाद शनिवार रात का बाकी समय शांतिपूर्ण रहा। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि विरोध प्रदर्शनों में कुल कितने लोग घायल हुए हैं। हालांकि, गृह मंत्री लॉरेंट नुनोज़ ने शनिवार देर रात जानकारी दी कि दो प्रदर्शनकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं एक ट्रलूज में और दूसरा क्लेरमोंट-फेरंड में। ट्रलूज में अधिकारियों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान 20 वर्षीय एक युवक के हाथ में गंभीर चोट आई है। प्रदर्शनकारियों का इलाज करने वाले एक स्ट्रीट मेडिक ने नाम न छापने की शर्त पर ।श्च को बताया कि उस युवक के दाहिने हाथ की कई उंगलियां कट गई हैं। क्लेरमोंट-फेरंड में भी एक अन्य व्यक्ति के हाथ में चोट आई है, हालांकि स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि उसकी कोई उंगली नहीं कटी है। क्षेत्रीय समाचार पत्र श्ला नोवेल रिपब्लिकश् ने भी रिपोर्ट दी है कि पोइटियर्स में एक व्यक्ति की बाई आंख में चोट आई है। अखबार के फोटोग्राफर ने ।श्च को बताया कि 19 वर्षीय यह युवक उस समय घायल हुआ, जब दंगा-रोधी पुलिस ने स्टन ग्रेनेड और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। हाल के हफ्तों में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए गए स्टन ग्रेनेड या आंसू गैस के गोलों से प्रदर्शनकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि शनिवार के प्रदर्शनों के दौरान हुई चोटें इन्हीं हथियारों की वजह से लगी थीं या नहीं। अधिकारियों ने इनमें से कुछ मामलों की जांच शुरू कर दी है।

इमरान खान की तीन बहनों की हिरासत 30 दिन और बढ़ी, लाहौर हाई कोर्ट ने निपटाई अर्जी

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तीन बहनों की हिरासत को जन सुरक्षा कानून के तहत 30 दिन के लिए और बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज्मा खान पिछले एक महीने से अधिक समय से लाहौर की कोर्ट लखपत जेल में पंजाब सार्वजनिक व्यवस्था अध्यादेश, 1960 के तहत हिरासत में हैं। अलीमा खान को 20 सितंबर को हिरासत में लिया गया था, जबकि उज्मा और नोरीन को अगले दिन हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के समर्थन में लोगों को जुटाने की कोशिशों के दौरान की गई थी। पंजाब के एक सहायक महाधिवक्ता ने सोमवार को लाहौर उच्च न्यायालय को बताया कि लाहौर के उपायुक्त की सिफारिश पर सरकार ने खान की तीनों बहनों की हिरासत 30 दिन के लिए और बढ़ा दी है। इसके बाद अदालत ने तीनों बहनों की रिहाई की मांग वाली याचिका का निपटारा कर दिया। यह याचिका अलीमा खान के बेटे शहरेज ने दायर की थी। इसमें उन्होंने अपनी मौसियों की हिरासत को चुनौती दी थी।

श्रीलंका में भिक्षु ज्ञानसारा के क्षमादान की मांग पर आंदोलन वरिष्ठ धर्मगुरुओं की अपील के बाद रुका

श्रीलंका में जेल में बंद कट्टरपंथी धार्मिक नेता गलागोदत्ते ज्ञानसारा को राष्ट्रपति की ओर से क्षमादान देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे बौद्ध भिक्षुओं के एक समूह ने वरिष्ठ धर्मगुरुओं के हस्तक्षेप के बाद अपना आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। ज्ञानसारा (61) अदालत की अवमानना के मामले में जेल की सजा काट रहे हैं। आंदोलन में शामिल प्रमुख भिक्षु उलपने सुमंगला ने रविवार को यहां संवाददाताओं से कहा, “हमने मुख्य धर्मगुरुओं के आदेश के सम्मान में प्रदर्शन को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है।” सुमंगला ने कहा कि वरिष्ठ भिक्षुओं ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वे ज्ञानसारा को संभावित क्षमादान देने का मुद्दा सरकार के समक्ष उठाएंगे। ज्ञानसारा 2012 से ‘बोदु बाला सेना’ (बौद्ध शक्ति बल) का नेतृत्व कर रहे हैं। वह कट्टरपंथी बौद्ध राष्ट्रवादी अभियान में सबसे आगे रहे हैं। इस अभियान में श्रीलंका के मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रति इस्तेमाल की गई बयानबाजी को लेकर आलोचना हुई थी। अदालत की अवमानना का दोषी ठहराए जाने के बाद ज्ञानसारा को छह साल की सजा का शेष हिस्सा काटने के लिए इसी महीने की शुरुआत में फिर जेल भेज दिया गया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ब्यूरो प्रमुख
- चौफ रिपोर्टर
- संवाददाता
- प्रतिनिधि मण्डल

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में स्नातक स्तर पर उपाधि/दीर्घावधि में अध्ययन कर रहे हों
- स्थानीय खबरों की समझ और लिखने में अच्छी क्षमता आवश्यक
- संस्कृत ज्ञान के इच्छुक

संपर्क सूत्र:

919005239332 / 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य!

अरुणाचल प्रदेश में झड़प की खबरों पर चीन की सफाई, कहा सीमा समझौतों का सरव्वी से हुआ पालन



चीन के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी

सकें। इससे पहले, शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश में पीएलए के साथ लगातार हो रही झड़पों की खबरों के बाद, विदेश मंत्रालय ने सरकार का रुख स्पष्ट किया था। अपनी ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय ने कहा जहाँ तक विशिष्ट विवरणों की बात है, तो मैं आपको रक्षा मंत्रालय

की ओर निर्देशित करूँगा। जैसा कि हमने पहले भी बताया है, भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर तब बिगड़ जाती है, जब चीनी सेनाएँ तय गश्त (पेट्रोलिंग) के तरीकों से हट जाती हैं। दोनों पक्ष लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल पर लंबित मुद्दों को सुलझाने

और किसी भी तरह की गलतफहमी या गलत आकलन से बचने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य तंत्रों का उपयोग कर रहे हैं। दोनों पक्ष सीमा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए, कुछ खास इलाकों में स।ब को लेकर आपसी समझ बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने

के लिए भी सहमत हुए हैं। मैं इस बात पर भी जोर देना चाहूँगा कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बहुत जरूरी है। इस साल 25 अगस्त को, सीमा विवाद पर भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत का 25वां दौर बीजिंग में आयोजित हुआ। दोनों पक्षों ने अपने-अपने देशों के नेताओं से मिले निर्देशों का पालन करने, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने, तथा द्विपक्षीय संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। दोनों पक्षों ने सीमा विवाद के समाधान के लिए एक रूपरेखा पर बातचीत को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

ऑस्ट्रेलिया वीजा के नए बायोमैट्रिक्स नियम लागू, पहले आवेदन कर चुके लोगों पर असर नहीं

ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार, 26 अक्टूबर से भारत में वीज़ा आवेदकों के लिए बायोमैट्रिक संबंधी आवश्यकताओं का दायरा बढ़ा दिया है। अब कुछ आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में अपने फिंगरप्रिंट और चेहरे की तस्वीरें देनी होंगी। ये नए नियम 26 अक्टूबर, 2026 को या उसके बाद जमा किए गए ऑस्ट्रेलियाई वीज़ा आवेदनों पर लागू होंगे। ।छप् की एक रिपोर्ट के अनुसार — जिसमें भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग द्वारा जारी एक मीडिया विज्ञप्ति का हवाला दिया गया है — जिन लोगों को पहले ही वीज़ा मिल चुका है या जिन्होंने इस तारीख से पहले आवेदन जमा कर दिए हैं, उन पर इन नियमों का कोई असर नहीं पड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया



की वीज़ा प्रक्रियाओं का प्रबंधन करने वाला रडिपार्टमेंट ऑफ़ होम अफेयर्सइ आवेदकों को सूचित करेगा कि क्या उन्हें बायोमैट्रिक जानकारी देने की आवश्यकता है, और साथ ही यह भी बताएगा कि इस प्रक्रिया को कैसे पूरा करना है। आवेदकों को आमतौर पर ईमेल के जरिए निर्देश मिल जायेंगेक्या तो सीधे उन्हें, या फिर उनके अधिकृत एजेंट के माध्यम से।

ऑस्ट्रेलिया ने बायोमैट्रिक्स का दायरा क्यों बढ़ाया है? ANI की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य पहचान की पुष्टि (identity verification) को मज़बूत करना, धोखाधड़ी को कम करना और सही आवेदकों को उनकी पहचान के दुरुपयोग से बचाना है। बायोमैट्रिक्स किसी व्यक्ति की पहचान की पुष्टि करने और देश की आब्रजन (माइग्रेशन) प्रणाली की विश्वसनीयता को मजबूत करने का एक जरिया है। ऑस्ट्रेलिया पहले से ही लगभग 60 देशों में वीज़ा आवेदकों से बायोमैट्रिक जानकारी लेता है, और अब इस विस्तार के तहत भारत को भी इस कार्यक्रम में शामिल कर लिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच लोगों के आपसी संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं।

ईरान ने कहा अमेरिका के साथ कूटनीति के रास्ते खुले, मध्यस्थों से भेजे जा रहे संदेश

अमेरिका और इजराइल में अहम चुनावों से पहले ईरान के साथ व्यापक युद्ध दोबारा शुरू होने की आशंकाओं के बीच तेहरान ने कहा है कि मध्यस्थों के जरिए अमेरिका तक संदेश पहुंचाए जा रहे हैं और वह कूटनीति के लिए अब भी तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आज इस्लामिक गणराज्य ईरान पर हमला नहीं किया जाएगा। इस बीच, इजराइल के उच्चतम न्यायालय के सरकार को सूचियां साझा करने की प्रक्रिया बहाल करने के आदेश के बाद रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) को कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा में हिरासत में लिए गए फलस्तीनियों की सूचियां फिर से मिलने लगी हैं।



पाकिस्तान के सैन्य विमान

यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान और सऊदी अरब क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के बीच अपने आपसी रक्षा समझौतों को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इन चिंताओं में यमन के हूथी आंदोलन से जुड़े खतरे भी शामिल हैं। सितंबर 2025 में हस्ताक्षरित SMDA (समझौते) के तहत, दोनों देश इस बात पर सहमत हुए हैं कि उनमें से किसी एक के खिलाफ होने वाले हमले को दोनों के खिलाफ हमला माना जाएगा। इस समझौते ने इस्लामाबाद और रियाद के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी को औपचारिक रूप दे दिया है। पाकिस्तान दशकों से सऊदी अरब में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए हुए है, जिसमें प्रशिक्षण और अन्य रक्षा सहयोग कार्यो में शामिल कर्मों भी शामिल हैं। हालाँकि, इस तैनाती के दायरे और इसके संचालन संबंधी विवरणों का सार्वजनिक रूप से पूरा खुलासा नहीं किया गया

है। सुरक्षा सूत्र ने दावा किया कि इस नई सहायता में स्थानीय स्तर पर विकसित ड्रोन, रॉकेट, मिसाइलें और वायु रक्षा उपकरण शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इन प्रणालियों का उद्देश्य सऊदी अरब के शहरों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई खतरों से बचाना है। सूत्र ने यह भी दावा किया कि रक्षा उपकरणों को सऊदी अरब पहुंचाने के लिए पाकिस्तान वायु सेना के परिवहन विमानों और सैन्य कार्गो उड़ानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस तैनाती के दौरान पाकिस्तान वायु सेना का एक प्-78 हवाई ईंधन भरने वाला विमान भी सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ था। सऊदी अरब के सामने क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ रही हैं। यह मदद ऐसे समय में सामने आई है जब यमन के हूतियों सहित क्षेत्रीय ताकतों से सऊदी अरब के इलाके और रणनीतिक बुनियादी ढांचे को होने वाले

लूला दा सिल्वा ने हासिल की 44 लाख वोटों की बढ़त, चौथी बार ब्राजील के राष्ट्रपति बने

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा

रियो डी जिनेरियो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुखर आलोचक ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा रविवार को चौथी बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। इस चुनाव परिणाम से लातिन अमेरिका में अमेरिका के बढ़ते प्रभाव की आलोचना करने वालों को राहत मिली है। मतगणना में 100 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने के बाद ब्राजील के निर्वाचन न्यायालय ने घोषणा की कि जल्द ही 81 वर्ष के होने जा रहे लूला ने अपने प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो पर करीब 44 लाख वोटों की निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। लूला को कुल मतों का 51.8 प्रतिशत मिला। बोल्सोनारो ने हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया और चुनाव परिणाम रद्द करने की मांग की। इससे पहले मतदान केंद्रों पर शाम के समय अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी। यह स्थिति मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने के अंतिम समय में लिए गए फैसले के बाद पैदा हुई थी। बोल्सोनारो, पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। लूला ने 2022 में जायर बोल्सोनारो को हराकर राष्ट्रपति पद हासिल किया था। बोल्सोनारो के पिता को लूला से हारने के बाद तख्तापलट की कोशिश करने के मामले में 27 साल की जेल की सजा सुनाई गई। लूला की जीत लातिन अमेरिका में ट्रंप

के सहयोगी दक्षिणपंथी राष्ट्रपति उम्मीदवारों के चुनाव जीतने के हाथिया रुझान के उलट है। इससे लातिन अमेरिका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में ब्राजील ट्रंप की ओर से लगाए गए बड़े हुए शुल्कों के दबाव के बावजूद अमेरिका से स्वतंत्र बने रहने की स्थिति में होगा। लूला के चुनाव प्रचार अभियान की ओर से जारी एक वीडियो में ब्राजील के निर्वाचन न्यायालय द्वारा दूसरे दौर के चुनाव में उनकी जीत की पुष्टि किए जाने के बाद उन्हें अपनी पत्नी एवं प्रथम महिला रोसांगेला दा सिल्वा और सहयोगियों के साथ जश्न मनाते हुए दिखाया गया। साओ पाउलो की मुख्य सड़क और रियो डी जेनेरियो के सिनेलैंडिया चौक पर हजारों समर्थकों की भीड़ को संबोधित करते हुए लूला ने ब्राजील की जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने लैंगिक या धार्मिक भेदभाव के बिना सभी ब्राजीलियाई लोगों का सम्मान करने का संकल्प लिया और बोल्सोनारो पर भी निशाना साधा। लूला ने कहा, “यह झूठ और सच्चाई को नकारने की प्रवृत्ति की हार है।” उन्होंने ब्राजील की संप्रभुता की रक्षा के अपने संकल्प को भी दोहराया। उन्होंने कहा, “या तो मातृभूमि स्वतंत्र रहेगी या हम ब्राजील के लिए मर मिटेंगे। ब्राजील किसी भी देश के अधीन होकर या उसके इशारे पर चलने वाला देश नहीं बनेगा।” लूला पांच जनवरी, 2027 को राष्ट्रपति के रूप में अपना चौथा कार्यकाल शुरू करेंगे। निर्वाचन न्यायालय की घोषणा के साथ ही मतदान केंद्रों पर शाम से बना असमंजस खत्म हो गया। इससे पहले, ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश क्रिस्टियानो जानिन ने मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय से तीन मिनट पहले फैसला सुनाया कि मतदान केंद्र दो घंटे और खुले रहेंगे। यह फैसला दोनों उम्मीदवारों की मांग के बाद लिया गया। लूला ने साओ पाउलो और साव्वाजोर में मतदान केंद्रों तक मतदाताओं को ले जाने वाली बसों से जुड़ी समस्याओं के कारण मतदान का समय बढ़ाने की मांग की थी।

यह बातचीत 2005 में हस्ताक्षरित भारत-चीन सीमा विवाद के समाधान के लिए राजनीतिक मापदंडों और मार्गदर्शक सिद्धांतों पर समझौतेश् तथा उसके बाद हुई विशेष प्रतिनिधि वार्ता में बनी सहमति के अनुरूप होगी, जिसका उद्देश्य एक निष्पक्ष, तर्कसंगत और दोनों पक्षों के स्वीकार्य समाधान खोजना है। इसके अलावा, दोनों पक्ष इस बात पर भी सहमत हुए कि जमीनी स्तर पर उत्पन्न किसी भी स्थिति का समाधान मौजूदा राजनयिक और सैन्य माध्यमों जिनमें WMCC, स्थानीय कमांडर-स्तर की बैठकें और अन्य सहमत तंत्र शामिल हैंकू के जरिए तुरंत किया जाएगा, ताकि लंबित मुद्दों को सुलझाया जा सके और LAC पर किसी भी तरह की गलतफहमी या गलत आकलन से बचा जा सके।

भारत-चीन सीमा विवाद

आवेदन करने वाले आवेदकों को सूचित करेगा कि क्या उन्हें बायोमैट्रिक जानकारी देने की आवश्यकता है, और साथ ही यह भी बताएगा कि इस प्रक्रिया को कैसे पूरा करना है। आवेदकों को आमतौर पर ईमेल के जरिए निर्देश मिल जायेंगेक्या तो सीधे उन्हें, या फिर उनके अधिकृत एजेंट के माध्यम से।

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा

ऑस्ट्रेलिया के बायोमैट्रिक्स का दायरा